শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 144 | गुवाहाटी | सोमवार, 23 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

खड़गे ने चुनाव संचालन नियमों में संशोधन को बताया साजिश... पेज 2
एलियन पर वैदिक विज्ञान व प्राचीन ज्ञान पर होगा सार्वभौमिक सम्मेलन पेज 3
पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजेपयी ने देश में राजनीति का नया अध्याय... पेज 5
भारतीय टीम ने जीता महिला अंडर 19 एशिया कप 2024 का ... पेज 7

बाल विवाह पर मुख्यमंत्री सख्त, कहा-

नियम तोड़े, तो छोड़ेंगे नहीं...

एक ही रात में 416 लोगों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम में बाल विवाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तीसरे चरण में अब तक 416 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई 21-22 दिसंबर की रात से शुरू हुई थी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस ने इस दौरान 335 मामले दर्ज किए हैं और गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है। उन्होंने ट्वीट करके कहा कि बाल विवाह के खिलाफ यह लड़ाई जारी रहेगी और असम सरकार इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए निरंतर साहसिक कदम उठाती रहेगी। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि 21-22 दिसंबर की रात से बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई का तीसरा चरण शुरू किया गया था। इस दौरान पुलिस ने 335 मामले दर्ज किए और 416 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बाल विवाह को खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस सामाजिक बुराई के खिलाफ उनकी लड़ाई लगातार जारी रहेगी। इससे पहले असम सरकार ने 2023 में दो चरणों में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाया था। पहले चरण में फरवरी 2023 में 3,483 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 4,515 मामले दर्ज किए गए थे। वहीं दूसरे चरण में अक्तूबर 2023 में 915 गिरफ्तारियां की गईं और 710 मामले दर्ज हुए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ यह कार्रवाई कड़ी से कड़ी होती जाएगी और असम में इसे पूरी तरह से खत्म किया जाएगा। हिमंत शर्मा ने इस मुद्दे पर बयान देते हुए कहा कि बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए मुस्लिम विवाह और तलाक अधिनियम 1935 को निरस्त करने के उनके फैसले की आलोचना करने वालों को उन्होंने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक वह जीवित हैं, तब तक असम में बाल विवाह नहीं होने देंगे। शर्मा ने कहा कि कोई भी किसी के जीवन के साथ खेल नहीं सकता। उन्होंने विपक्षी दल कांग्रेस और अखिल भारतीय यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के नेताओं से पूछा कि क्या उन्हें शर्म नहीं आती कि वे 6-8 साल के बच्चों की शादी के पक्ष में खड़े हैं। विपक्षी दलों ने बाल विवाह को रोकने के लिए कानून में संशोधन की मांग की है। एआईयूडीएफ और कांग्रेस ने पूरे कानून को खारिज करने के बजाय यह सुझाव दिया है कि इस कानून को इस तरह से बदला जाए ताकि -शेष पृष्ठ दो पर

पड़ोसी राज्यों के साथ असम का सीमा विवाद अभी भी अधर में

गुवाहाटी: असम में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा कई दौर के आश्वासनों के बावजूद, पूर्वोत्तर राज्य का अपने पड़ोसी राज्यों के साथ अंतर-राज्यीय सीमा विवाद समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। यद्यपि असम में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार ने अंतर-राज्यीय सीमा को हल करने के लिए *देने और लेने* का एक नया दृष्टिकोण अपनाने का वादा किया था, लेकिन विवाद जारी है और ऐसा प्रतीत होता है कि संघर्षों को समाप्त करने का कोई फार्मूला हाथ में नहीं है। हालांकि 2021 में लगातार दूसरी बार सत्ता में आई असम की भाजपा सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यों के बीच सीमा विवादों को प्राथमिकता दी और कई दौर की बैठकें और चर्चाएं भी हुईं, लेकिन समाधान नहीं निकल सका। उल्लेखनीय है कि असम का वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम और मेघालय के साथ अंतर-राज्यीय सीमा विवाद चल रहा है। ये राज्य मूल रूप से असम का हिस्सा थे, लेकिन जब केंद्र सरकार ने अलग-अलग राज्य बनाने का फैसला किया, तो इन राज्यों की सीमाओं को केवल मानचित्रों पर ही अंकित किया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई और अक्सर सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो गई। असम सरकार से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, राज्य की 16144.0117 हेक्टेयर भूमि पर अरुणाचल प्रदेश का अतिक्रमण है, जबकि नगालैंड असम की 59490.21 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण कर रहा है। इसी तरह, मेघालय ने राज्य की 3441.8601 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है, जबकि मिजोरम ने असम की 3675.78 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है। असम -शेष पृष्ठ दो पर

उदालगुड़ी में महिला ने कार में बच्चे को दिया जन्म

उदालगुड़ी। असम के उदालगुड़ी में कथित चिकित्सकीय लापरवाही के कारण एक गर्भवती महिला को कार के अंदर ही बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर होना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, यह घटना रौता के बोरझार आश्रम आयुष्मान आरोग्य मंदिर में घटी, जहां गंभीर प्रसव पीड़ा से पीड़ित गर्भवती महिला को घंटों तक अकेला छोड़ दिया गया। सूत्रों के अनुसार, ओरंग के मजारचूबा गांव के निवासी अब्दुल जलील अपनी गर्भवती पत्नी को सुबह -शेष पृष्ठ दो पर

कोलियाबर : बाघ के हमले में एक व्यक्ति की मौत, शव के अंग बिखरे मिले

कोलियाबर। असम के कोलियाबर के सिलघाट-सोनारी गांव में बाघ के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि शव बासुदेव कर्माकर (60) का है, जो शनिवार से लापता था। वह और उसके साथी जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने के लिए सिलघाट-सोनारी गांव के पहाड़ों पर गए थे। उसके बाद से कर्माकर लापता था। स्थानीय लोगों को संदेह है कि मजदूर को बाघ ने मारा है। शव के बचे हुए हिस्से बिखरे पड़े मिले। घटना के बाद स्थानीय लोगों में काफी डर का माहौल है। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को शाम के समय लापता व्यक्ति की सूचना मिलने के बाद हमने पुलिस कर्मियों और ग्रामीणों के साथ मिलकर खोजबीन की। अंधेरे के कारण हम जंगल में प्रवेश नहीं कर पाए। स्थानीय लोगों ने आज सुबह हमें शव के बारे में बताया। हमें शव के अंग कामाख्या रिजर्व फॉरेस्ट में मिले। नगांव के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अरुणोदोई 3.0 के लिए आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं : सरकार

गुवाहाटी। असम वित्त विभाग ने एक स्पष्टीकरण जारी किया है जिसमें कहा गया है कि अरुणोदोई 3.0 योजना के लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है। आधिकारिक सूचना के अनुसार, वैध राशन कार्ड रखने वाले परिवार स्वत: ही कल्याणकारी कार्यक्रम के लिए आवेदन करने के पात्र हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 1,250 रुपए की मासिक सहायता प्रदान करता है। सरकार ने दस्तावेजीकरण आवश्यकताओं के संबंध में भ्रामक जानकारी प्रसारित होने की चिंताओं के बीच इस स्पष्टीकरण पर जोर दिया। प्राधिकारियों -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने त्रिपुरा में 668 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ व शिलान्यास किया

धलाई (हि.स.)। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन, रविवार को त्रिपुरा के धलाई जिले में 668 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने ब्रू-रियांग समुदाय के लोगों से हदुकलाउ पारा ब्रू पुनर्वास कॉलोनी में मुलाकात की और उनके घर जाकर उनसे वार्ता भी की। यहां सहकार से समृद्धि कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि त्रिपुरा में लंबे समय तक सत्ता में रहने वालों ने ब्रू-रियांग समुदाय की तकलीफों को कभी समझा ही नहीं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी पीड़ा को समझा और उन्हें दूर करने का -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश : सीएम ने केंद्र से की सेंट्रल फोर्स के और जवानों की मांग

अगरतला। बांग्लादेश में अशांति और हिंदुओं-अल्पसंख्यकों पर हमले के मद्देनजर सीमावर्ती राज्यों में घुसपैठ की आशंका बढ़ गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह त्रिपुरा के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मानिक साहा ने बांग्लादेश की -शेष पृष्ठ दो पर

अल्लू अर्जुन के आवास पर तोड़फोड़ छह हिरासत में

हैदराबाद। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के आवास पर उस्मानिया विश्वविद्यालय संयुक्त कार्रवाई समिति के सदस्य होने का दावा करने वाले व्यक्तियों के एक समूह ने तोड़फोड़ की। इस मामले में छह लोग हिरासत में लिए गए हैं। एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें उस्मानिया विश्वविद्यालय के संयुक्त कार्य समिति (ओयू-जेएसी) के सदस्यों ने अर्जुन के हैदराबाद स्थित जुबली हिल्स स्थित आवास पर हमला किया है। वीडियो में कार्यकर्ताओं को उनके आवास पर पत्थरबाजी करते हुए देखा जा सकता है। रविवार को उस्मानिया यूनिवर्सिटी के छात्रों के एक समूह ने अर्जुन के घर के बाहर हंगामा किया और टमाटर फेंके। इस घटना में घर के अंदर रखे फूलों के गमले भी टूट गए। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
धन का लालची श्रीविहीन हो जाता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

खाद्य सामग्री वितरण के दौरान भगदड़ 32 की मौत

अबुजा। क्रिसमस के अवसर पर स्थानीय गिरजाघर द्वारा वितरित किए जाने वाली खाद्य सामग्री को लेने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने के कारण मची भगदड़ में चार बच्चों सहित 32 लोगों की मौत हो गई। ये भयानक हादसा नाइजीरिया की राजधानी अबुजा में हुआ। पुलिस ने शनिवार -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान *ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर*

नई दिल्ली (हि.स.)। कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च सम्मान द *ऑर्डर का मुबारक अल कबीर* से सम्मानित किया। यह प्रधानमंत्री मोदी का 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी और कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में दोनों देशों ने भारत-कुवैत संबंधों को *रणनीतिक साझेदारी* पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार से कुवैत के प्रवास पर हैं। यात्रा के दूसरे दिन रविवार को शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता से पहले यहां प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत के बेयान पैलेस में कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस सबा अल-खालिद अल-सबाह से भी मुलाकात की। कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च -शेष पृष्ठ दो पर

धर्म के नाम पर उत्पीड़न इसकी समझ की कमी के कारण हुआ : भागवत

अमरावती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि धर्म के नाम पर जो भी अत्याचार और दमन हुआ है, वह केवल धर्म की गलत समझ और अधूरी जानकारी के कारण हुआ। भागवत महाराष्ट्र के अमरावती में महानुभाव आश्रम के शताब्दी समारोह में बोल रहे थे। भागवत ने कहा कि धर्म का अधूरा ज्ञान अधर्म की ओर ले जाता है। धर्म के नाम पर दुनिया भर में जो भी उत्पीड़न -शेष पृष्ठ दो पर

आंधी-तूफान और बारिश से नौ राज्यों में असर

असम समेत 12 राज्यों में शीतलहर-कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली। देशभर में कड़ाके की ठंड का कहर जारी है। कहीं माइनस में तापमान गिर गया है तो कहीं शीतलहर से लोग कांप रहे हैं। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला में हाल ही में लैंडस्लाइड (भूस्खलन) हुआ जिससे नेशनल हाईवे ब्लॉक हो गया। जम्मू-कश्मीर में 40 दिन वाली सर्दी का दौर चिल्लई कलां शुरू हो चुका है। श्रीनगर में -शेष पृष्ठ दो पर

श्मशान में हुई मौत का हिंसा से कोई संबंध नहीं : बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की मीडिया विंग ने बताया कि हाल ही मारा गया शख्स हिंदू पुजारी नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उस शख्स की मौत सांप्रदायिक हिंसा से नहीं, बल्कि श्मशान में चोरी से जुड़ी थी। बांग्लादेश ने हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति की हत्या के संबंध में इस्कॉन कोलकाता द्वारा दिए गए दावों को खारिज कर दिया था। चीफ एडवाइजर्स प्रेस विंग फैक्ट्स के आधिकारिक फेसबुक पेज ने दावा किया कि हत्या डकैती के प्रयास का नतीजा था। बांग्लादेश की तरफ से यह स्पष्टीकरण इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर -शेष पृष्ठ दो पर

गणतंत्र दिवस परेड में नहीं दिखेगी दिल्ली की झांकी, चार प्रदेश भी पीछे हटे

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड 2025 में एक बार फिर राजधानी दिल्ली की झांकी का दीदार नहीं हो सकेगा। हालांकि आम आदमी शासित राज्य पंजाब समेत 15 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की विरासत-इतिहास और वर्तमान से सजी रंग-बिरंगी झांकिया देश के 76वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर दिखाई देंगी। समझा जाता है कि गणतंत्र दिवस परेड की झांकी का चयन करने वाली विशेषज्ञ समिति ने दिल्ली की ओर से दिए गए झांकी की थीम को अस्वीकार्य करते हुए खारिज कर दिया है। इस बार की परेड में जहां दिल्ली की झांकी को मंजूरी नहीं मिली है तो वहीं चार राज्यों ने खुद ही असमर्थता जता इस दफा अपनी बारी छोड़ दी है और इन सब की जगह उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों को अपनी झांकी कर्तव्य पथ पर दिखेना का मौका दिया गया है। राजधानी दिल्ली में फरवरी में विधानसभा चुनाव होने हैं ऐसे में गणतंत्र दिवस झांकी अस्वीकृत किए जाने को सत्ताधारी आम आदमी पार्टी एक बार फिर सियासी मुद्दा बनाने से शायद ही गुरेज करेगी। मालूम हो कि 2024 के गणतंत्र दिवस परेड में भी पंजाब के साथ दिल्ली -शेष पृष्ठ दो पर

60 साल की उम्र में दूसरी बार दूल्हे बनेंगे अमेजॉन के मालिक जेफ बेसोज

शादी पर खर्च करेंगे 600 मिलियन डॉलर

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक और अमेजन के संस्थापक, जेफ बेजोस, अपनी मंगेतर लॉरेन सांचेज के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। यह शादी कोलोराडो के एस्पेन शहर में आयोजित की जाएगी और इसे अब तक की सबसे भव्य शादियों में से एक माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस शादी का खर्च करीब 600 मिलियन डॉलर (5096 करोड़ रुपए) तक हो सकता है। खबरों के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866,** **94018-06952**

खड़गे ने चुनाव संचालन नियमों में संशोधन को बताया साजिश, कहा–

यह लोकतंत्र पर सीधा हमला

नई दिल्ली। चुनाव संचालन नियमों में संशोधन को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को कमजोर करने की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि चुनाव संचालन नियमों में किया गया ये दुस्साहस सरकार की सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। खड़गे ने कहा कि चुनाव आयोग की अखंडता को जानबूझकर नुकसान पहुंचाना संविधान और लोकतंत्र पर सीधा हमला है और हम उनकी रक्षा के लिए हर कदम उठाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले चयन पैनल से हटा दिया था, और अब वे हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी चुनावी जानकारी को छिपाने का सहारा ले रहे हैं। खड़गे ने कहा कि जब भी कांग्रेस पार्टी ने चुनाव को वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने और ईवीएम में पारदर्शिता की कमी जैसे अनियमितताओं के बारे में लिखा, तो चुनाव आयोग ने अपमानजनक तरीके में जवाब दिया और कुछ गंभीर शिकायतों को भी स्वीकार नहीं किया। यह फिर से साबित करता है कि चुनाव आयोग भले ही एक एक स्वायत्त एवं अर्ध–न्यायिक संस्था है लेकिन यह स्वतंत्र रूप से व्यवहार नहीं कर रहा है। कहा जा रहा है यह कदम पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा चुनाव आयोग को हाल ही में जारी एक निर्देश के बाद आनन फानन में उठाया गया है। कोर्ट ने हरियाणा विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव संबंधी सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। हालांकि, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने बयान जारी कर कहा है इस संशोधन को कानूनी तौर पर चैलेंज किया जाएगा। दरअसल, चुनाव संचालन नियम 93 में संशोधन किया गया है।

नकली सोना समेत एक गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। सतिया के सार्किआटि गांव से पुलिस ने नकली सोना समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि बिश्वनाथ पुलिस और सतिया पुलिस ने संयुक्त अभियान के दौरान सतिया के सार्किआटि इलाके में रहने वाले जामिनुल हक नामक व्यक्ति के घर से नकली सोना बरामद किया। नकली सोना के कारोबार में शामिल जमिनुल हक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के घर से नकली सोना बनाने वाली विभिन्न सामग्री के अलावा सोने को तैयार करने वाली मशीन को बरामद किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बोकाखात में अतुल बोरा ने किया कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

बोकाखात (हिंस)। गोलाघाट जिले के बोकाखात क्षेत्र में मंत्री अतुल बोरा ने आज रविवार को कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने रंगामाटी, दिचोई, बिहोरा, कुरुवा बाही, बोकाखात और काजीरंगा पंचायत के अंतर्गत कई सड़कों, पुलों और आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री बोरा ने कहा कि सरकार द्वारा शुरू की गई नई योजनाएं क्षेत्र के निवासियों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी और समग्र विकास को बढ़ावा देंगी।

हस्तनिर्मित पिस्तौल के साथ युवक डिब्रूगढ़ में गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ पुलिस ने रविवार को 19 वर्षीय रोहित खेरलिया नामक एक युवक को हस्तनिर्मित पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया। युवक उत्तर प्रदेश का निवासी है और डिब्रूगढ़ की एक युवती को ब्लैकमेल करने और जान से मारने की धमकी दे रहा था। पुलिस के अनुसार, आरोपी युवक हथियार लेकर डिब्रूगढ़ पहुंचा था और युवती के परिवार की हत्या करने का इरादा रखता था। स्थानीय लोगों की सतर्कता और सहयोग से पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और उसके पास से पिस्तौल को जब्त कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी से पूछताछ जारी है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

तीन अवैध शिकारी गिरफ्तार

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर जिले के भारत–भूटान सीमावर्ती इलाके में पुलिस और वन विभाग ने अभियान चलाकर तीन अवैध शिकारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग के सहयोग से भारत–भूटान सीमावर्ती इलाके के एक नंबर डेडा गांव में चलाए गए अभियान के दौरान तीन अवैध शिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अवैध शिकारियों की पहचान सिंगाराई हासदा, सनू हेमब्रम और बाबूराम सरेन के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से एक हाथी का दांत, दो हस्त निर्मित बंदूक जब्त किया गया है। वन विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों अवैध शिकारियों से सघन पूछताछ कर रही है।

तीन चोर गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के दिपीला बामुनझाड़ इलाके से पुलिस ने मंदिर चोरी मामले में शामिल तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि मरिसाली इलाके में स्थित विष्णु मंदिर का दानपात्र चोरी करने के आरोप में तीन चोरों को बूढ़ा पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों की पहचान वेदांत राजवंशी, बिगराई बोडो और प्रांजल के रूप में की गई है।

हाजो में लगी आग में 2 लाख से अधिक की संपत्ति का नुकसान

कामरूप (हिंस)। शनिवार रात कामरूप जिले के बामुंडी बांधवी पाड़ा में दो व्यक्तियों, बलेन कलिता और नब कलिता के घरों में अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलने पर स्थानीय निवासियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन एक घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस अधिकारी नबाजित डेका के नेतृत्व में शुवालकुची थाना की एक टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में कामयाब रही। आग से दो लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है।

नुकसान से पीड़ित किसानों को मिले मुआवजा : गहलोत

जयपुर (हिंस)। जोधपुर में बीते साल मार्च माह में तेज अंधड़ की बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि से रबी सीजन की फसलों में बड़ा नुकसान हुआ है। इस नुकसान की भरपाई अभी तक न होने पर कांग्रेस के बड़े नेता अशोक गहलोत एक बार फिर सक्रिय हुए हैं। अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर रविवार को राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सीएम भजनलाल इस राशि को जल्द से जल्द जारी करवाकर किसानों को राहत दिलवाएं। किसानों के हक का मुद्दा उठाते हुए अशोक गहलोत ने लिखा कि 2023 में जोधपुर में हुई अतिवृष्टि से फसल खराब हुई थी। उस समय गिरदावरी करवाकर फसल खराबे का 80 फीसदी क्लेम एवं खाद–बीज की राशि देना तय हुआ था। लेकिन, आचार संहिता के कारण बीमा क्लेम राशि किसानों को नहीं मिल सकी। करीब एक वर्ष बीत जाने के बाद भी यह राशि किसानों को नहीं मिली है। मुख्यमंत्री से निवेदन है कि इस राशि को जल्द से जल्द जारी करवाकर किसानों को राहत दिलवाएं। जोधपुर में बीते साल मार्च माह में तेज अंधड़ की बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि से रबी सीजन की फसलों में बड़ा नुकसान हुआ है। जोधपुर में चार मार्च को विभिन्न गांवों में ओलावृष्टि हुई थी।

पृष्ठ एक का शेष

नियम तोड़े, तो छोड़ेंगे ...

इसका गलत इस्तेमाल न हो। उनका मानना है कि कानून के कुछ प्रावधानों का दुरुपयोग हो सकता है और उन्हें इन प्रावधानों को बदलने की जरूरत है। इस तरह से असम सरकार बाल विवाह के खिलाफ अपनी सख्त कार्रवाई को जारी रखे हुए है और मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा का कहना है कि इस लड़ाई में कोई भी समझौता नहीं होगा। इससे पहले असम पुलिस मुख्यालय पर रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एडीजीपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने इस अभियान की जानकारी दी। गुप्ता ने बताया कि इस अभियान में राज्य के 36 जिलों से 431 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें धुबड़ी, होजाई, नगांव, मरीगांव, कोकराझाड़, गुवाहाटी महानगर सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में फरवरी और अक्तूबर में आयोजित पहले और दूसरे चरण के अभियानों में क्रमश: 3425 और 913 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। उन्होंने कहा कि इस अभियान के परिणामस्वरूप बाल विवाह की घटनाओं में कमी आई है और इसका असर मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर पर भी देखने को मिला है। वर्ष 2020–21 के दौरान राज्य में मातृ मृत्यु दर 984 थी, जो घटकर 2023–24 में 372 हो गई है। इसी तरह, 2020–21 में शिशु मृत्यु दर 9472 थी, जो 2023–24 में घटकर 4790 रह गई है। यह सब इस बात का संकेत है कि बाल विवाह पर रोक लगाने से समाज के स्वास्थ्य संबंधी संकेतकों में सुधार हुआ है। एडीजीपी गुप्ता ने बताया कि धुबड़ी जिले से सबसे अधिक 68 लोग गिरफ्तार किए गए हैं और 59 मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, विश्वनाथ, जोरहाट, डिमा हसाओ, हमरेन और गुवाहाटी महानगर में बाल विवाह से संबंधित कोई घटना दर्ज नहीं हुई, जिससे इन क्षेत्रों से कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। यह अभियान असम को 2025 तक बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उधर घुसपैठियों पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इसके प्रभाव को सीमित करने के लिए परिसीमन की दिशा में भी काम कर रही है। इसके अलावा राज्य सरकार ने 10,000 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। असम आंदोलन के पहले शहीद खड़गेश्वर तालुकदार के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बलिदान ने राज्य के साथ–साथ पूरे देश में शोक की लहर पैदा कर दी। उन्होंने कहा कि खड़गेश्वर तालुकदार से प्रेरित होकर 800 से अधिक अन्य शहीदों ने भी राज्य के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। मुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि असम आंदोलन असम और उसके लोगों को अवैध प्रवास के अभिशाप से बचाने के संकल्प की अभिव्यक्ति था। सरकार मूल निवासियों के अधिकारों की रक्षा करती रहेगी इससे पहले 10 दिसंबर को शोणितपुर जिले के जामुगुड़ीहाट में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित स्वाहिद दिवस समारोह में भाग लेते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि असम सरकार मूल निवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने असम आंदोलन में जाति, माटी और भेटी के सम्मान की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को भी श्रद्धांजलि दी।

पड़ोसी राज्यों के साथ...

विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि असम की कुल 82751.8618 हेक्टेयर भूमि पर चार पड़ोसी राज्यों ने अतिक्रमण कर रखा है – सबसे ज्यादा अतिक्रमण नगालैंड ने किया है। जैसे–जैसे वर्ष बीत रहा है, आइए अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के साथ असम के सीमा विवाद की स्थिति पर नजर डालें।

असम–मिजोरम सीमा विवाद की स्थिति : असम ने दोनों राज्यों के बीच सीमा विवादों को सुलझाने के लिए मिजोरम सरकार के साथ कई दौर की महत्वपूर्ण बैठकें कीं। असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा ने इस साल अगस्त में मिजोरम का दौरा किया था और मिजोरम के गृह विभाग से जुड़ी महत्वपूर्ण बैठकें की थीं। सीमा विवादों को सुलझाने के लिए दोनों राज्यों के बीच इस साल मुख्यमंत्री स्तर की बैठकें भी हुईं। असम सरकार के सूत्रों के अनुसार, सीमा विवादों को सुलझाने के लिए दोनों राज्य के नेताओं के बीच जनवरी 2025 में एक और दौर की बैठक होने वाली है। उल्लेखनीय है कि असम–मिजोरम सीमा की लंबाई करीब 164.6 किलोमीटर है और विवादित क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा असम के करीमगंज और हैलाकांदी जिलों में आता है। असम सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी कई कदम उठाए हैं, जिनमें कमांडो बलों की तैनाती और सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के बीच तनाव को कम करने के लिए सीमा चौकियों की स्थापना शामिल है।

असम–अरुणाचल प्रदेश सीमा विवाद की स्थिति : असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिए इस साल बातचीत में कुछ प्रगति हुई है और दोनों राज्यों ने 123 सीमावर्ती गांवों के बारे में सहमति जताई है। जबकि 71 सीमावर्ती गांवों से जुड़े विवाद पहले ही सुलझ चुके हैं, सीमाओं के सीमांकन की प्रक्रिया चल रही है, 52 गांवों के बारे में भी बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि असम की अरुणाचल प्रदेश के साथ 804.10 किलोमीटर लंबी अंतर–राज्यीय सीमा है और इसमें असम की ओर के आठ जिले शामिल हैं। जबकि सर्वे ऑफ इंडिया ने शोणितपुर जिले में विवादों को उठाया, उदालगुड़ी, बिस्वनाथ, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, चराईदेउ और धेमाजी सहित अन्य जिलों में सीमा विवादों को अभी तक सीमांकन के लिए नहीं लिया गया है। समस्या इसलिए और भी जटिल हो जाती है क्योंकि सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोग अक्सर एक–दूसरे पर दूसरे राज्य की जमीनों पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हैं। 2024 में दोनों राज्यों के लोगों के बीच झड़पों की भी खबरें आई हैं।

असम–मेघालय सीमा विवाद की स्थिति : असम और मेघालय के बीच सीमा विवाद का कागजों पर समाधान हो गया है, लेकिन जमीन पर इसे लागू किया जाना अभी बाकी है। असम के कार्बी आंग्लांग जिले के लम्पी, बोरदुआर, देस डुमोरिया और विवादित क्षेत्रों से जुड़े विवाद कुछ हद तक सुलझ गए हैं, लेकिन असम की जमीन पर मेघालय की ओर से नए अतिक्रमण की खबरें आ रही हैं। इसने दोनों राज्यों की सरकारों को स्थिति से निपटने और सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए तीन अलग–अलग समितियां गठित करने पर मजबूर किया है। हालांकि समितियों ने अपनी सिफारिशें पेश कर दी हैं, लेकिन जमीन पर उनके क्रियान्वयन का इंतजार है।

उदालगुड़ी में महिला ...

करीब 5 बजे एक निजी वाहन से स्वास्थ्य सेवा केंद्र ले गए। उन्हें निराशा हुई कि वहां कोई डॉक्टर उपलब्ध नहीं था। हताश होकर, स्टाफ के सदस्य ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर प्रफुल्ल पातर को बुलाने गए, जो पास में ही रहते थे। लगभग डेढ़ घंटे तक लगातार प्रयास करने के बावजूद डॉक्टर कथित तौर पर नहीं आए। कोई विकल्प न होने पर महिला ने कार के अंदर ही बच्ची को जन्म दिया। प्रसव के बाद भी डॉ. पातर ने कथित तौर पर व्यक्तिगत स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और ठंड के मौसम का हवाला देते हुए सहायता प्रदान करने से इनकार कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि उनकी ड्यूटी सुबह 8 बजे से शुरू होती है, जिससे उनके द्वारा आपातकालीन स्थिति में इलाज करने से इनकार करने पर सवाल उठते हैं।

कोलियाबर : बाघ के ...

कई इलाकों में बंगाल टाइगर के हमले अभी भी हो रहे हैं। कामाख्या, सोनारी गांव और कलियाबार चाय बागानों के निवासी लंबे समय से बाघों के हमलों से पीड़ित हैं। बाघों द्वारा जानवरों और इंसानों दोनों पर हमला किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले तीन सालों में बाघों द्वारा लोगों पर हमला करने की कई घटनाएं हुई हैं। माना जाता है कि महादेव तासा नामक एक व्यक्ति को बाघ ने मार डाला था। काफी समय से उसका पता नहीं चल पाया है। शनिवार को जमुना गढ़ पर बाघ ने हमला किया था। पीड़ित का फिलहाल गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। बाघों द्वारा बासुदेव कर्मकार की हत्या की घटना ने लोगों को चिंतित कर दिया है। इस पर निवासियों ने वन विभाग के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की है। इसके चलते विभिन्न संगठनों और स्थानीय लोगों ने शिलघाट थाने पर हंगामा किया। लोगों ने पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के माध्यम से अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने जानवरों और नागरिकों दोनों की सुरक्षा की मांग की।

अरुणोदोई 3.0 के ...

ने अनावश्यक रूप से आय प्रमाण पत्र जारी करने को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों या समूहों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। वित्त विभाग ने ऐसी भ्रामक गतिविधियों के बारे में शिकायतों की जांच के लिए तंत्र स्थापित किया है। अरुणोदोई 3.0 योजना असम की प्रमुख गरीबी उन्मूलन योजनाओं में से एक है, जिसका लक्ष्य राज्य भर में आर्थिक कठिनाई का सामना कर रहे परिवारों को सहायता प्रदान करना है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ...

प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 25 वर्षों से बेहद कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे 38 हजार ब्रू–रियांग लोगों को पुनर्वासित कर उन्हें बेहतर जीवन प्रदान किया। साथ ही, राज्य में शांति बहाल करने के लिए तीन विद्रोही समूहों और ब्रू–रियांग समुदाय के साथ चार ऐतिहासिक समझौते किए। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि लोकतंत्र में आस्था रखने वाली सरकारें विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं। उन्होंने बताया कि ब्रू–रियांग समुदाय के लिए 900 करोड़ रुपए की योजनाएं न केवल बनाई गईं, बल्कि जमीनी स्तर पर लागू भी की गईं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस समुदाय को अन्य भारतीय नागरिकों के समान अधिकार देकर उनका सम्मान बढ़ाया। त्रिपुरा में विकास की गति को रेखांकित करते हुए शाह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय केवल 2.5 फीसदी लोगों को पीने का पानी उपलब्ध था, जबकि आज 85 फीसदी घरों में नल का पानी पहुंच रहा है। राज्य में स्कूल ड्रॉपआउट दर घटकर 3 फीसदी से नीचे आ गई है और नामांकन दर 67 फीसदी से बढ़कर 99.5 फीसदी हो गई है। उन्होंने कहा कि इनके अलावा मां त्रिपुर सुंदरी के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य जारी है, जिससे दुनियाभर के भक्तों के लिए दर्शन करना आसान होगा। अमित शाह ने त्रिपुरा सरकार और केंद्र सरकार के प्रयासों को जनकल्याण और विकास के लिए समर्पित बताया।

बांग्लादेश : सीएम ने ...

स्थिति को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री से बात की और त्रिपुरा में सेंट्रल फोर्स, सीआरपीएफ और बीएसएफ के जवानों की संख्या बढ़ाने की मांग की। मानिक साहा ने बांग्लादेश की स्थिति को लेकर कहा कि हमने अभी गृहमंत्री अमित शाह से सेंट्रल फोर्सेस, सीआरपीएफ, बीएसएफ आदि फोर्सेज बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कि पिछले दिनों कई बॉर्डर पर वायलेशन की घटनाएं घटी है। इसकी शिकायत मैने केंद्र सरकार से की है। इतना बड़ा बॉर्डर है, ऐसे में ज्यादा चौकसी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम स्टेट पुलिस को भी और शक्तिशाली कर रहे हैं। साल 1971 में भी त्रिपुरा को दबाव झेलना पड़ा था। बता दें कि 1971 में बांग्लादेश पाकिस्तान से आजाद होकर नया देश बना था। उस समय बड़ी संख्या में शरणार्थियों ने भारत के विभिन्न राज्यों में शरण ली थी। उन्होंने कहा कि तीन तरफ से बॉर्डर होने का नुकसान तो रहता है। वहां (बांग्लादेश) में हिंदुओं के साथ जो हो रहा है, उससे यहां लोगों में भी बहुत नाराजगी है। बता दें कि शेख हसीना की सरकार के पतन और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाएं घटी है। इस्कॉन के मंदिर में तोड़फोड़ की गई। इस्कॉन के संन्यासी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की घटनाओं को लेकर त्रिपुरा भी तीन–चार नाराजगी की घटनाएं घट गईं हैं, लेकिन हमने समय रहते संभाल लिया। अगरतला काउंसलेट वाली घटना के बाद भी हमने तगड़ा कंट्रोल किया। हमें ज्यादा चौंकना रहना पड़ रहा है, हरेक मोमेंट पर नजर रखना पड़ता है। हम केंद्र सरकार के साथ रेगुलर टच में रहते हैं। एक–एक घटनाओं की जानकारी मैं केंद्र से साझा कर रहा हूं।

प्रधानमंत्री मोदी को...

सम्मान द ऑर्डर का मुबारक अल कबीर प्रदान किया। यह प्रधानमंत्री मोदी का मिला 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है। उल्लेखनीय है कि ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का सर्वोच्च सम्मान है। यह मित्रता के प्रतीक के रूप में राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी संप्रभुओं तथा विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को प्रदान किया जाता है। इसे पहले बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। पिछले 43 वर्ष में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस खाड़ी देश की यह पहली यात्रा है। इस मौके पर दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। वार्ता की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि चर्चा में दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के तरीकों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया। प्रधानमंत्री ने कुवैत में भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए अमीर के प्रति आभार व्यक्त किया। कुवैत से संबंधों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया कि कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल–अहमद अल–जबर अल सबा के साथ शानदार बैठक हुई। हमने फार्मास्यूटिकल्स, आईटी, फिनटेक, इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। हमारे देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों के अनुरूप, हमने अपनी साझेदारी को रणनीतिक स्तर तक बढ़ाया है और मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारी दोस्ती और भी मजबूत होगी। यहां कुवैती समाचार एजेंसी की महानिदेशक फातमा अल–सलेम के साथ एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि व्यापार, वाणिज्य कुवैत के साथ संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि फार्मास्यूटिकल, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की काफी संभावनाएं हैं।

धर्म के नाम पर ...

और अत्याचार हुए, वे वास्तव में धर्म के बारे में गलतफहमी और समझ की कमी के कारण हुए। उन्होंने यह भी कहा कि धर्म का अस्तित्व हमेशा रहा है और दुनिया में सब कुछ उसी के अनुसार चलता है। इसलिए इसे सनातन कहा जाता है। उन्होंने आगे कहा, धर्म का आचरण ही धर्म की रक्षा है। आरएसएस प्रमुख ने आगे कहा कि अगर धर्म को सही तरीके से समझा जाए तो इससे समाज में शांति, सद्भाव और समृद्धि आ सकती है। धर्म का वास्तविक मकसद मानवता की सेवा और उसे मार्गदर्शन प्रदान करना है, न कि किसी तरह की हिंसा या अत्याचार को बढ़ावा देना। उन्होंने धर्म के मूल सिद्धांतों पर जोर देते हुए कहा कि धर्म का सही ज्ञान और पालन होने से समाज का उत्थान होता है और यह सभी की भलाई के लिए है।

असम समेत 12...

इस बार तापमान –8.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है जो पिछले 133 साल में तीसरी बार हुआ है। उत्तर भारत शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में है जबकि दक्षिण भारत में बारिश ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने आगामी मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार 28 दिसंबर तक मौसम में बड़ा बदलाव हो सकता है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेगा जिससे मौसम का मिजाज बदल जाएगा। 27 से 31 दिसंबर के बीच पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा। इसके चलते पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो सकती है और मैदानी इलाकों में आंधी–तूफान के साथ बारिश का अनुमान है जिससे ठंड बढ़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम मध्य और दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया सक्रिय था जो अब कमजोर होकर आगे बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव से तटीय आंध्र प्रदेश में भारी बारिश और कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। जम्मू–कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में भी हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 26 दिसंबर की रात से एक और पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत में असर डाल सकता है। इससे दक्षिण–पश्चिमी राजस्थान में साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवातीय हवाओं का चक्र) बनने की संभावना है। इसके कारण 28 दिसंबर तक अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी भरी हवाएं उठेंगी जिससे पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में भारी बारिश और बर्फबारी हो सकती है। उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों और मध्य भारत में भी बारिश का अनुमान है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में आंधी–तूफान के साथ ओलावृष्टि भी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, झारखंड, ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल, उप–हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में शीतलहर और घना कोहरा छा सकता है। दिल्ली में इस समय हल्के कोहरे के साथ ठंड बढ़ी हुई है। पिछले कुछ दिनों से शीतलहर के कारण दिल्ली में सूखी ठंड पड़ रही थी और न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 26 दिसंबर के बाद दिल्ली में बारिश की संभावना जताई है। दिल्ली का तापमान 21 से 23 डिग्री सेंटिग्रेड के बीच रहेगा जबकि न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेंटिग्रेड के बीच रह सकता है। बता दें कि इस समय देशभर में मौसम का मिजाज बहुत सर्द है और अगले कुछ दिन और भी ठंडे हो सकते हैं।

अल्लू अर्जुन के ...

इसके तुरंत बाद पुलिस ने घटना के सिलसिले में छह व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन ले जाया गया। घटना के समय अल्लू अर्जुन अपने घर पर नहीं थे। उस्मानिया विश्वविद्यालय के संयुक्त कार्य समिति के सदस्य अभिनेता के घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे और रेवती के परिवार को एक करोड़ का मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। उन्होंने भगदड़ में घायल हुए नौ वर्षीय पीडि़त श्रीतेज को न्याय दिलाने की भी मांग की, जिसका हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में जुबली हिल्स पुलिस ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय संयुक्त कार्रवाई समिति के छह सदस्यों ने अभिनेता अल्लू अर्जुन के आवास पर पथराव किया, तख्तियां पकड़ लीं और विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, हमें अल्लू अर्जुन के परिवार से कोई शिकायत नहीं मिली है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। यह घटना रविवार को अल्लू अर्जुन द्वारा एक बयान जारी करने के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों से अपील की थी कि वे संध्या थिएटर भगदड़ मामले में उनके खिलाफ नए आरोपों के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी तरह की अपमानजनक भाषा या व्यवहार का सहारा न लें।

श्मशान में हुई ...

एक वीडियो साझा करने के एक दिन बाद आया। वीडियो में दावा किया गया था कि बांग्लादेश के नेटोर में एक श्मशान घाट मंदिर में हिंदू पुजारी तरूण कुमार दास की हत्या कर दी गई। राधारमण दास ने आरोप लगाया कि हत्या से पहले पुजारी को प्रताड़ित किया गया था और मंदिर को भी लूट लिया गया। नाटोर सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी मोहम्मद महबुबोर रहमान ने बताया कि शनिवार और रविवार सुबह को मिली जानकारी के आधार पर ऐसा माना जा रहा है कि ड्रग्स लेने वाले लोगों ने मंदिर में चोरी का प्रयास किया। उसकी जांच की जा रही है। प्रेस विंग ने बताया कि तरुण कुमार दाह संस्कार समिति के सदस्य नहीं थे। न ही वह पुजारी थे। वह मानसिक रूप से अस्थिर थे। इस्कॉन बांग्लादेश के सदस्य हृषिकेश गौरंगा दास को भी बताया गया था कि तरुण कुमार इस्कॉन या किसी अन्य संगठन के संपर्क में नहीं थ।

गणतंत्र दिवस परेड ...

की झांकी को मंजूरी नहीं दी गई थी जिस पर खूब राजनीतिक वाद–विवाद हुआ था। इसके मद्देनजर रक्षा मंत्रालय ने इसी साल यह नियम बना दिया कि तीन साल में कम से कम एक बार हर राज्य को झांकी दिखाने का मौका मिलेगा। हालांकि रक्षा मंत्रालय की झांकी चयन के लिए गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा झांकी का चयन भी नियम की दूसरी शर्त है। रक्षा मंत्रालय के विश्वस्त सूत्रों के अनुसार तीन साल के अंतराल की कसौटी को दिल्ली जरूर पूरा कर रहा था मगर विशेषज्ञ समिति ने उसकी झांकी के प्रस्ताव को अपने मानकों के अनुरूप नहीं होने के आधार पर अस्वीकार कर दिया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक चूंकि इसको लेकर राजनीति हो सकती है इसलिए स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह फैसला रक्षा मंत्रालय का नहीं बल्कि विशेषज्ञ समिति का है जिसमें अपने–अपने क्षेत्र के विशिष्ट कलाकर–व्यक्ति शामिल हैं। हालांकि दिल्ली की झांकी के प्रस्ताव का ब्योरा मंत्रालय की ओर से साझा नहीं किया गया।

60 साल की उम्र ...

जेफ बेजोस और लॉरेन सांचेज की शादी अगले शनिवार को होने वाली है। हालांकि, अभी तक बेजोस या सांचेज की ओर से इस शादी की तारीख को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस भव्य शादी में कई हाई–प्रोफाइल हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी में माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स, अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो, और जॉर्डन की क्वीन रानिया जैसी मशहूर शख्सियतें शामिल हो सकती हैं। इस भव्य शादी की तैयारी के लिए पार्टी प्लानर्स को नॉन–डिस्क्लोजर एग्रीमेंट (गोपनीयता समझौता) साइन करना पड़ा है, ताकि शादी से जुड़ी किसी भी जानकारी को सार्वजनिक न किया जा सके। एस्पेन में होने वाली इस शादी को खास बनाने के लिए पूरी दुनिया से खास चीजें मंगवाई जा रही हैं। एक एस्पेन वेडिंग प्लानर ने बताया कि दंपति के पसंदीदा केक को पेरिस से मंगवाया जाएगा, हेयर स्टाइलिस्ट न्यूयॉर्क से बुलाए जाएंगे और उनकी पसंदीदा म्यूजिक बैंड भी समारोह में परफॉर्म करेगी। लॉरेन सांचेज एक फेमस जर्नलिस्ट, टीवी होस्ट और हेलीकॉप्टर पायलट हैं। वह 2023 से जेफ बेजोस के साथ रिश्ते में हैं। इस शादी का आयोजन विंटरलैंड थीम पर किया जाएगा, जो इस सीजन की सबसे यादगार शादी बन सकती है।

खाद्य सामग्री वितरण ...

को बताया कि भगदड़ सुबह के समय अबुजा के पॉश इलाके मैतामा में होली ट्रिनिटी कैथोलिक गिरजाघर में हुई। उन्होंने कहा कि गिरजाघर से 1,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है। घटनास्थल की वायरल वीडियो में जमीन पर कई शव देखे जा सकते हैं और लोग मदद के लिए चिल्ला रहे हैं। अडेह ने बताया कि कुछ घायलों का उपचार कर उन्हें छुट्टी दे दी गई है, जबकि अन्य का इलाज जारी है।

चार धनेश पक्षी समेत एक गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के रंगापाड़ा रेलवे स्टेशन से रेलवे पुलिस ने चार धनेश पक्षी समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर लाचित एक्सप्रेस ट्रेन में चलाए गए तलाशी के दौरान चार धनेश पक्षी समेत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मेरियास मुंडा के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी उदालगुड़ी से हारमती चारों धनेश पक्षियों को ट्रेन के जरिए लेकर जा रहा था। इस दौरान उसे रंगापाड़ा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। बरामद चारों धनेश पक्षी को रेलवे पुलिस ने वन विभाग को सौंप दिया। वन विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अश्वक्लांत मंदिर में चौथे वार्षिक श्रीश्री महाविष्णु यज्ञ की तैयारियां शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। *बहुजन सुखाय, बहुजन हिताय* (अधिकांश लोगों की खुशी और कल्याण के लिए) के संदेश के साथ, पवित्र अश्वक्लांत मंदिर में चौथे वार्षिक श्रीश्री महाविष्णु यज्ञ की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आज दोपहर 12 बजे मंदिर परिसर स्थित विष्णुतीर्थ श्रीश्री अश्वक्लांत में एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता दलोई लक्षेश्वर शर्मा ने की। बैठक में यज्ञ के सफल आयोजन हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह तय किया गया कि तीन दिवसीय यह यज्ञ 7 से 9 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए एक आयोजन समिति का भी गठन किया गया, जिसमें असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता विश्व शर्मा और रिनिकी भुइयां शर्मा को मुख्य संरक्षक, कामरूप (ग्रामीण) के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र समिति के अध्यक्ष होंगे, मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी हेमंत चौधरी को कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष रंजीत भट्टाचार्य, डॉ. विष्णुराम नूनिसा और प्रांजित डेका होंगे। दलोई लक्षेश्वर शर्मा को महासचिव और अखिल भट्टाचार्य को संयुक्त सचिव, अतिरिक्त संयुक्त सचिव के रूप में अशोक शर्मा और भास्कर हजारिका, प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी, दिलीप शर्मा यज्ञ मंडप (यज्ञ स्थल) का प्रबंधन संभालेंगे।

एलियन पर वैदिक विज्ञान व प्राचीन ज्ञान पर होगा सार्वभौमिक सम्मेलन

दिल्ली/गुवाहाटी (हिंस)। स्वामी विवेकानंद और निकोला टेस्ला इंटरनेशनल फाउंडेशन (एसवीएनटीआईएफ) अगले 15 मार्च को नई दिल्ली में यूएफओ और एलियंस पर सार्वभौमिक सम्मेलन आयोजित करेगा। इस सम्मेलन में अभूतपूर्व आयोजन वैदिक विज्ञान, ब्रह्मांडीय ऊर्जा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के साथ यूएफओ और एलियन घटनाओं के प्रतिच्छेदन पर गहन चर्चा होगी। जिससे प्राचीन ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के बीच एक अद्वितीय संवाद को बढ़ावा मिलेगा। उक्त जानकारी एसवीएनटीआईएफ के अध्यक्ष मानस डेका ने दी है। उन्होंने बताया कि यूएफओ और एलियंस पर सार्वभौमिक सम्मेलन 15 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में होगा। इस सम्मेलन में इसरो, नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए), जापानी, इतालवी और रूसी अंतरिक्ष एजेंसियां, अंतरिक्ष निर्माण सलाहकार परिषद, अंतरराष्ट्रीय यूएफओ कांग्रेस, यूरोपीय यूएफओ कांग्रेस, स्पेसएक्स,

आईआईटी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ (आईएयू) जैसे प्रमुख संगठनों को आमंत्रित किया जाएगा। सम्मेलन में दुनियाभर के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, अंतरिक्ष यात्री और शोधकर्ता भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि प्राचीन ऐतिहासिक आख्यानों और आधुनिक यूएफओ तथा एलियन के देखे जाने के बीच संभावित संबंधों की जांच पर संवाद होंगे। जिनका उद्देश्य बहुविषयक दृष्टिकोण के माध्यम से अस्पष्टीकृत हवाई घटनाओं की हमारी समझ को गहरा करना है। यह ब्रह्मांडीय रहस्यों और प्राचीन ज्ञान से उनके गहरे संबंधों को उजागर करने का एक अनूठा अवसर होगा। उल्लेखनीय है कि स्वामी विवेकानंद और निकोला टेस्ला इंटरनेशनल फाउंडेशन (एसवीएनटीआईएफ) विज्ञान और आध्यात्मिकता को एक साथ लाने के लिए कार्य कर रहा है।

असम गैस कंपनी लिमिटेड की पाइपलाइन में लगी आग

दुलियाजान (हिंस)। असम गैस कंपनी लिमिटेड की गैस सप्लाई पाइपलाइन में रविवार को आग लग गई, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। यह घटना दुलियाजान के कब्रिस्तान के पास स्थित रिहायशी क्षेत्र में हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पाइपलाइन से बीते तीन दिनों से गैस का रिसाव हो रहा था, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने समय पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। आग लगने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई। घटना के बाद ऑयल इंडिया लिमिटेड की दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। हालांकि, प्रभावित पाइपलाइन से गैस का रिसाव अब भी जारी है। असम गैस कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर रवाना हो गए हैं और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने इस घटना पर नाराजगी जताई और गैस कंपनी से भविष्य में ऐसी लापरवाही न करने की मांग की है।

रंगिया : नए लाभार्थियों के बीच राशन कार्ड वितरित

रंगिया (विभास)। जनता के लिए भोजन का अधिकार सुनिश्चित करने की राज्य सरकार की पहल के तहत रविवार को रंगिया में नए राशन कार्डों के दूसरे चरण की शुरुआत की गई। बताया गया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत रंगिया विधानसभा क्षेत्र के 15, 112 परिवारों में से 5, 214 नए लाभार्थियों को नया राशन कार्ड का वितरण किया जाएगा। जिसकी शुरुआत स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने रविवार को रंगिया के मील रोड स्थित निर्माणाधीन एकीकृत सम जिला आयुक्त कार्यालय प्रांगण में आयोजित समारोह में 11 परिवारों को राशन कार्ड के वितरण के साथ की। इस मौके पर उन्होंने अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय सरकार और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताते हुए आज से रंगिया विधानसभा क्षेत्र में नए लाभार्थियों को राशन कार्ड के वितरण की शुरुआत की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राशन कार्ड वाले परिवारों को अरुणोदय योजना, नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा योजना सहित विभिन्न सुविधाएं मिलने की आशा व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ रंगिया सम जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी के स्वागत भाषण के साथ किया गया। इस मौके पर रंगिया पौर सभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, भाजपा उत्तर कामरूप जिला अध्यक्ष सुबल पाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दाह संस्कार के बाद की क्रिया कर्मों को संपन्न करने के लिए बंगाईगांववासियों को एक आधुनिक कक्ष की सौगात

बंगाईगांव। रविवार को बंगाईगांव के समसान क्षेत्र में एक आधुनिक दाह संस्कार के बाद की क्रिया कर्मों को संपन्न कराने के लिए एक अनुष्ठान कक्ष का बंगाईगांव पौर सभा के पौरपति सुभाष चंद्र दास के द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। इस मौके पर पौर सभा के उप पौरपति शैलैन सरकार, दो नंबर वार्ड के पार्षद सरस्वती सरकार, पौर सभा के सफाई अधिकारी पार्थो दत्त के अलावा समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अखय चंद बैद एवं राजेंद्र हरलालका ने क्रमश: पौरपति एवं उपपौरपति का स्वागत किया। दान दाता परिवार की और से राजेश अग्रवाल एवं राकेश अग्रवाल ने सभी अतिथियों का फुलोम गमछा से सम्मान किया।

महेश कुमार अग्रवाल ने उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए इस कछ के बारे में विस्तार से बताया एवं कहा कि यह कक्ष बंगाईगांव समाज के सभी लोगों के कार्य के लिए बनाया गया है तथा पौरपति को इस मौके पर उपस्थित होने के लिए तथा ह्रदयता से इस कक्ष निर्माण के लिए सहमति देने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। यह कछ बंगाईगांव के समाज सेवी रामचंद्र अग्रवाल ने अपनी धर्मपत्नी स्वर्गीय शकुंतला देवी अग्रवाल के स्मृति में बनाकर समाज को सौंपा। दाह संस्कार के बाद के क्रिया कर्मों जैसे दिवंगत लोगों के फूल रखने की व्यवस्था लोकर के साथ, दश गात्र एवं नारायन बली आदि कार्यों को संपन्न करने के लिए इस कक्ष में सुंदर व्यवस्था की गई है। इस मौके पर मारवाड़ी युवा मंच के कई सदस्य उपस्थित थे। इस कक्ष के संचालन का दायित्व मारवाड़ी युवा मंच को सोंपा गया है। इस अवसर पर उपस्थित मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष पीयूष सुराणा का फूलाम गमछा से स्वागत किया गया तथा परिवार की ओर से राजेश अग्रवाला ने पौरपति के माध्यम से इस कक्ष की चाबी मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष को सौंपीं।

20 करोड़ रुपए कीमत के नशीले पदार्थ समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने सिलचर पुलिस की मदद से अभियान चलाकर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ समेत एक शातिर ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने रविवार को बताया कि बीती देर रात सिलचर के सिलकुरी रोड पर एसटीएफ प्रमुख डॉ. पार्थ सारथी महंत के नेतृत्व में और एसपी कछार नोमल महत्ता के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान भारी मात्रा में नशीला पदार्थ समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान साहिल अहमद लस्कर (कछार) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी नशीले पदार्थों का परिवहन कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी के पास से 60, 000 याबा टैबलेट और 125 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया है।

चिरांग जिले में नए राशन कार्डों का औपचारिक वितरण

विकसित भारत समाचार

चिरांग। चिरांग जिले में नए राशन कार्डों के औपचारिक वितरण का दूसरा चरण रविवार को काजलगांव परेड ग्राउंड में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। बिजनी उप-मंडल के लक्ष्मी मंदिर में भी एक साथ आयोजित इस कार्यक्रम ने क्षेत्र के लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। सिदली में आज कुल 2, 319 राशन कार्ड वितरित किए गए। बिजनी में 501 राशन कार्ड वितरित किए गए, जबकि शेष 2, 183 कार्ड दो दिनों के भीतर जारी किए जाएंगे। अपने भाषण में मुख्य अतिथि विधायक निर्मल कुमार ब्रह्म ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व की सराहना की और विशेष रूप से नए राशन कार्ड वितरण जैसी पहलों के माध्यम से लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोरो की इच्छाओं को भी व्यक्त किया, जिन्होंने इस योजना में किसी भी वंचित व्यक्ति को पीछे न छोड़े जाने की प्रबल इच्छा व्यक्त की। विधायक ब्रह्म ने जिला प्रशासन, सरकारी अधिकारियों और अन्य हितधारकों से समाज के उत्थान को सुनिश्चित करने में अपना काम जारी रखने का

आग्रह किया। चिरांग जिला आयुक्त जतिन बोरा ने योजना पर विस्तृत जानकारी दी, प्रक्रिया की व्याख्या की और इसके कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी निवासियों के लिए वितरण को सुचारू और समावेशी बनाने में जिले के प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शामिल होने वाले अन्य गणमान्य लोगों में चिरांग जिला भाजपा अध्यक्ष रतन रॉय, काजलगांव नगर निगम बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र मुछाहारी, बसुगांव नगर निगम बोर्ड के अध्यक्ष साधन चंद्र मंडल और एडीसी चिरांग जुगा कृष्ण राजबोंगशी शामिल थे।

बरपेटारोड : गौरीसरीया परिवार का सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा संपन्न

बरपेटारोड। धार्मिक नगरी बरपेटारोड में गौसेवक तथा गीताभक्त मंगतुराम गौरीसरीया एंव उनके परिवार द्वारा सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन श्री राधा कृष्ण ठाकुरबाड़ी मैं वैदिक रिती रिवाज एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। 12 दिसंबर गुरुवार से 18 दिसंबर बुधवार तक ब्रह्मलीन स्वामी श्री रामसुखदास जी महाराज के अनुयाई श्रीधाम वृंदावन से पधारे संत शिरोमणि श्री उदित जी महाराज ने व्यासपीठ पर विराजमान होकर अपनी सुमधुर वाणी से कथा का रसपान कराया। कथा का प्रारंभ भव्य कलश शोभा यात्रा एवं गायन बायन के साथ किया गया। तत्पश्चात रोजाना दोपहर 2:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक महाराज श्री द्वारा कथा का वाचन किया गया। इस मणिकांचन संयोग का साक्षी बरपेटारोड का धर्म प्रेमी समाज बना। प्रत्येक दिवस प्रात: 5:00 बजे से प्रार्थना एवं 6:00 बजे से विभिन्न मार्गों से भगवत नाम संकीर्तन करते हुए प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बरपेटारोड वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं अखंड आनंद का अनुभव किया। प्रभात फेरी के साथ महाराज श्री का आगमन श्रीकृष्ण गौशाला प्रांगण में भी हुआ। महाराज श्री ने कथा में भागवत के विभिन्न सार का वर्णन किया जो कि वर्तमान के संसारिक जीवन में बहुत ही अनुकरणीय है।

नेपाल की अनुराधा कोइराला को 21वें उपेंद्र नाथ ब्रह्म सोल्जर्स ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड 2024 से सम्मानित

कोकराझाड़ (विभास)। प्रसिद्ध नेपाली सामाजिक कार्यकर्ता अनुराधा कोइराला, जिन्हें *नेपाल की मदर टेरेसा* के नाम से जाना जाता है, को रविवार को कोकराझाड़ के बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में आयोजित एक समारोह में 21वें उपेंद्र नाथ ब्रह्म सोल्जर्स ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने बोडो समुदाय के दूरदर्शी नेता बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की विरासत के अनुरूप मानवता, विशेष रूप से वंचितों के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कोइराला, जिन्होंने मानव तस्करी से लड़ने और इसके पीड़ितों का समर्थन करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है, को महिलाओं और बच्चों के लिए उनके अथक कार्य के सम्मान में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार में एक प्रमाण पत्र, बोडोफा की एक प्रतिमा, एक धोखोना सेट, अरोनाई और दो लाख रुपए का चेक शामिल है। उपेंद्र नाथ ब्रह्म सोल्जर्स ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड उन व्यक्तियों को दिया जाता है जो मानवीय कारणों के लिए असाधारण समर्पण दिखाते हैं, खासकर

अविकसित समाजों में, शांति को बढ़ावा देते हैं और उत्पीड़ितों के अधिकारों की वकालत करते हैं। यह पुरस्कार उपेंद्र नाथ ब्रह्म की विरासत को कायम रखता है, जो एक ऐसे नेता थे जिन्होंने बोडो समुदाय के अधिकारों और उत्थान के लिए लड़ाई लड़ी। पुरस्कार समारोह की शुरुआत बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की प्रतिमा पर प्रकाश डालने और माल्यार्पण की रस्म के साथ हुई। असम के कैबिनेट मंत्री उरखाओ ग्वारा ब्रह्म ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि पद्म श्री पैट्रिजिया मुख्य अतिथि थीं। समारोह में कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें एबीएसयू के अध्यक्ष दीपेन बोरो, यूएनबीटी के अध्यक्ष डॉ. दिमाशा डी. मुसाहारी, विधायक लॉरेंस इस्लेरी, बीटीआर के कार्यकारी सदस्य निलुट स्वर्गियारी, उकील मुशाहरी और बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार सुबंग बसुमतारी शामिल थे।

बाल विवाह के खिलाफ फिर से रंगिया व धूबड़ी में चली धर-पकड़, पांच गिरफ्तार

रंगिया/धुबड़ी(निसं/हिंस)। असम पुलिस का बाल विवाह के खिलाफ फिर व्यापक अभियान चलाया गया। रंगिया पुलिस ने रंगिया के गोगमालासा अंचल से रात में अभियान चलाकर पांच लोगों को गिरफ्तार किया। जिसके कारण रंगिया थाना परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। रंगिया पुलिस ने बाल विवाह के आरोप में देराज अली (29), फिजनुर अली (24), हकीम अली (33), रज्जाक अली (26), रूबुल अली (22) को गिरफ्तार किया है। वही उक्त गिरफ्तार लोगों के परिजनों ने कहा कि भले ही उनके पति को एक साल के लिए रख लो, जिसके लिये आपत्ति या जरूरत नहीं है लेकिन उनहोने अपने बकाया कर्ज की किश्तें हिमंत विश्व शर्मा से दिलवाने हेतु चिल्ला चिल्लाकर आहवान किया है। थाना में एकत्र हुए काफी लोगों ने मुख्यमंत्री की आलोचना की। उल्लेखनीय है कि पुलिस के अभियान से उक्त परिवार के साथ निसिद्ध बाल विवाह को बढ़ावा देने वाले लोगों में भय उत्पन्न होने की टिप्पणी लोगों ने की है। **दूसरी ओर** धुबड़ी जिले में शनिवार रात पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। तामरहाट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाल विवाह में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अलहादी शेख, महाबुल हक और जहीरुल शेख के रूप में हुई है। इसके साथ ही, बाल विवाह से जुड़े मामलों में गोलकगंज में 10, गौरीपुर में 13 और बिलासीपाड़ा में 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने कहा है कि बाल विवाह के खिलाफ यह सख्त अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा।

तीन दिवसीय असम सत्र महासभा का मध्यकालीन वार्षिक अधिवेशन संपन्न

राज्स सरकार असम की संस्कृति के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है : मंत्री जयंतमल बरुवा

होजाई (निसं)। होजाई में पहली बार आयोजित असम सत्र महासभा का मध्यकालीन अधिवेशन हुआ संपन्न। होजाई जिला सत्र महासभा के तत्वाधान में होजाई स्थित गीता आश्रम के प्रांगण में तीन दिवसीय कार्यक्रमों के तहत उक्त भव्य आयोजन आयोजित हुआ। आज अंतिम दिन खुली सभा के दौरान असम सरकार के जन स्वास्थ्य एवं कार्यकारी मंत्री जयंतमल बरुवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस दौरान मंच पर उनके साथ आसीन थे असम सत्र महासभा के अध्यक्ष जितेंद्र नाथ प्रधानी, असम सत्र महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष भवानंद देव गोस्वामी, रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय उपकुलपति मानवेंद्र दत्ता चौधरी, आयोजन समिति के अध्यक्ष शिलादित्य देव, होजाई पौर सभा की सभानेत्री चतुर्थी रानी विश्वास सहित कई विशिष्ट जन उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जयंतमल बरुवा ने कहा कि असम श्रीमंत शंकरदेव-माधवदेव की भूमि है, यहां सभी जाति, जनगोष्टी एक समन्वय व भाईचारे के साथ प्रेम पूर्वक रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज के इस आयोजन में सभी जाति, जन गोष्ठियों को साथ देख कर, उन्हें काफी खुशी हो रही है और यही असम सत्र महासभा का लक्ष्य है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है और असम की संस्कृति के संरक्षण के लिए हम प्रतिबद्ध है। उन्होंने होजाई के गीता आश्रम में आयोजित असम सत्र महासभा के मध्यकालीन वार्षिक अधिवेशन के आयोजन समिति के अध्यक्ष शिलादित्य देव सहित कार्यकर्ताओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस दौरान सभी अतिथियों

ने भी संबोधन किया व असम सत्र महासभा के मध्यकालीन वार्षिक अधिवेशन जो की होजाई में आयोजित हुआ है उसकी प्रशंसा की। वहीं संवाददाताओं से बात करते हुए आयोजन समिति के अध्यक्ष शिलादित्य देव ने कहा कि होजाई में पहली बार असम सत्र महासभा का मध्यकालीन वार्षिक अधिवेशन आयोजित हुआ है, जो कि होजाई जिला वीसीयों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने जानकारी दी की सुबह के वक्त एक भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई, जो की अभूतपूर्व थी जिसमें स्थानीय असमिया, बंगाली, मारवाड़ी, बिहारी, नेपाली, मणिपुरी, कार्बी, दिमासा, कचहरी, भोजपुरी समाज सहित सभी जनगोष्टी ने अपनी-अपनी पारंपरिक वेशभूषा में शोभायात्रा में सम्मिलित हुए जो की एक यादगार दृश्य था व आपसी समन्वय का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि हम श्रीमंत शंकरदेव, माधवदेव, चैतन्यदेव, अनुकूल ठाकुर, राम ठाकुर, गुरु नानक देव, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस आदि महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में अपना कर आगे बढ़ रहे हैं। इन महापुरुषों ने हमारे धर्म को शक्तिशाली करने के लिए अपना सर्वोच्च योगदान दिया। कार्यक्रम के दौरान होजाई जिला के जिला उपयुक्त विद्युत विकास भगवती, जिला पुलिस अधीक्षक सौरभ गुप्ता, अधिवक्ता अमरज्योति सेकिया, अधिवक्ता समीर सरकार, गीता आश्रम न्यास के कोषाध्यक्ष अशोक केजरीवाल सहित कई विशिष्ट जन भी उपस्थित थे। गौरतलाब है, अध्यक्ष आशीष अग्रवाल व सचिव अभी मोर के नेतृत्व में मारवाड़ी युवा मंच की होजाई शाखा द्वारा अधिवेशन के दो दिनों तक नि:शुल्क चाय सेवा की स्टाल लगाकर अपनी सेवाएं दी, जिसकी सभी लोगों ने जमकर प्रशंसा की।

संयुक्त राष्ट्र संघ की घोषित विश्व ध्यान दिवस पर विशेष कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी। प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के तत्वावधान में रविवार को प्रात: 6:30 से 8:00 बजे तक तेरापंथ धर्मस्थल के जयसभागार में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। उक्त कार्यशाला में तेरापंथी सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन जम्मड़ एवं कोषाध्यक्ष छत्तरसिंह भादानी की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात संयोजिका कांता बच्छावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। तेरापंथी सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन जम्मड़ ने वक्तव्य प्रस्तुत किया। तत्पश्चात त्रिपदी वंदना जया घीया एवं लीला छाजेड़ द्वारा की गई। इस अवसर पर सामूहिक मंगल भावना के पश्चात

प्रेक्षागीत प्रेक्षा प्रशिक्षिका लीला छाजेड़, कविता बांठिया, बबीता पटवा, सरिता दुधोड़िया, पिंकी पटावरी एवं खुशबू चोपड़ा द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर यौगिक क्रियाएं-आसन लीला छाजेड़, पिंकी पटावरी द्वारा करवाई गई। ध्यान के बारे में बबीता पटवा ने वक्तव्य प्रस्तुत किया। सरिता दुधोड़िया द्वारा लगभग 20 मिनट तक ध्यान करवाया गया। लीला छाजेड़ ने ध्यान ऐप की जानकारी दी। अंत में मंगल संकल्प के साथ कार्यशाला संपन्न हुई। धन्यवाद ज्ञापन जया घीया ने किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में लोगों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस आशय की जानकारी तेरापंथी सभा के वरिष्ठ सहमंत्री राकेश जैन द्वारा यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

संपादकीय

पिघली अवरोध की बर्फ

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। बहरहाल, खट्टे-मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है। निस्संदेह, भारत और चीन के बीच हुई यह तेईसवीं मुलाकात नई उम्मीद जगाती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री के बीच यह बातचीत कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद लिए गए फैसले के अनुरूप ही हुई है। जिसमें सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की बहाली और सीमा विवाद का उचित समाधान तलाशने पर सहमति बनी थी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संक्रमण के दौर से गुजर रहे वैश्विक परिदृश्य में भारत व चीन एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यह स्थिति दोनों देशों के हित में ही कही जाएगी।

> बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं।

64 साल पुरानी ग्वालियर-चंबल संभाग की चंबल-नहर प्रणाली का उद्धार नए तरीके से किया जाएगा

नदियां लिखेंगी विकास की गाथा

प्रमोद भार्गव

मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच पार्वती, कालीसिंध और चंबल का पानी एक बड़े जलस्रोत के रूप में बहता है। मध्यप्रदेश में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरूआत के बाद अब उपरोक्त नदियों को जोड़े जाने की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में रख दी है। इसके प्रतीकस्वरूप तीनों नदियों के पानी को एक घड़े में भरा गया। तत्पश्चात भारत सरकार और राजस्थान एवं मध्यप्रदेश राज्य सरकारों के बीच एक त्रिपक्शीय समझौतों पर हस्ताक्शर किए गए। 72000 करोड़ रुपए इस परियोजना पर खर्च होंगे। इसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी। इस रा में से 35000 करोड़ रुपए मध्यप्रदेश और 37000 करोड़.रुपए राजस्थान सरकार खर्च करेगी। इसमें मध्यप्रदेश के 13 जिलों के 3217 ग्रामों की सूरत बदल जाएगी। दोनों प्रदेशों में मिलाकर 27 नए बांध बनेंगे और 4 पुराने बांधों पर नहरों की जलग्रहण क्शमता बढ़ाई जाएगी। इसी के साथ 64 साल पुरानी ग्वालियर-चंबल संभाग की चंबल-नहर प्रणाली का उद्धार नए तरीके से किया जाएगा। तय है, ये नदियां निर्धारित अवधि में जुड़ जाती हैं, तो सिंचाईं के लिए कृशि भूमि का रकबा बढ़ने के साथ अन्न की पैदावार बढ़ेगी। किसान खुशहाल होंगे और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। नदियों की धारा मोड़ने का दुनिया में पहला उदाहरण ऋग्वेद में मिलता है। इंद्र ने सिंचाई और पेयजल की सुविधा सुगम कराने की दृश्टि से सिंधु नदी की धारा को मोड़ा था। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र नदी की धारा को पहाड़ तोड़कर भगवान परशुराम ने मोड़ा था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपयी ने नदी जोड़ो अभियान की जो परिकल्पना की थी, उसे नरेंद्र मोदी ने साकार करने की शुरूआत केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के साथ कर दी थी। ये परिययोजनाएं जल-शक्ति अभियान 'कैच द रन' के तहत अमल में लाई जा रही हैं। बाढ़ और सूखे से परेशान देश में नदियों के संगम की परियोजना मूर्त रूप ले रही हैं, यह देशवासियों के लिए प्रसन्नता की बात है। इन परियोजनाओं को जोड़ने का अभियान सफल होता है तो भविश्य में 57 अन्य नदियों के मिलन का रास्ता खुल जाएगा। दरअसल बढ़ते वैश्विक तापमान, जलवायु परिवर्तन और बदलते वर्शा-चक्र के चलते जरूरी हो गया है कि नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्शेत्रों में नहरों के जरिए भेजा जाए। ऐसा संभव हो जाता है तो पेयजल की समस्या का निदान तो होगा ही, सिंचाई के लिए भी किसानों को पर्याप्त जल मिलने लग जाएगा। वैसे भी भारत

में विश्व की कुल आबादी के करीब 18 प्रतिशत लोग रहते हैं और उपयोगी जल की उपलब्धता महज 4 प्रतिशत है। हालांकि पर्यावरणविद् इन परियोजनाओं को यह कहकर विरोध कर रहे हैं कि नदियों को जोड़ने से इनकी अविरलता खत्म होगी, नतीजतन नदियों के विलुप्त होने का संकट बढ़ जाएगा। कृत्रिम रूप से जीवनदायी नर्मदा और मोक्शदायिनी क्शिप्रा नदियों को जोड़ने का काम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान पहले ही कर चुके थे। चूंकि ये दोनों नदियां मध्य-प्रदेश में बहती थीं, इसलिए इन्हें जोड़ा जाना संभव हो गया था। केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की तैयारी में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें बहुत पहले से जुटी थीं। इस परियोजना को वर्श 2005 में मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन पानी के बंटवारे को लेकर विवाद बना हुआ था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि दोनों राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें होने के कारण एकमत नहीं हुईं। कालांतर में केंद्र समेत उप्र और मप्र में भी भाजपा की सरकारें बन गईं। नतीजतन परियोजनाओं पर सहमति बन गई। केन नदी जबलपुर के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर 427 किमी उत्तर की ओर बहने के बाद बांदा जिले में यमुना नदी में जाकर गिरती है। वहीं बेतवा नदी मध्य-प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किमी बहने के बाद उत्तर-प्रदेश के हमीरपुर में यमुना में मिलती है। केन-बेतवा नदी जोड़ो योजना पर भूमि अधिग्रहण के साथ तेज गति से बांधों एवं नहरों का काम शुरू हो गया है। जीवनदायी नदियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। नदियों के किनारे ही ऐसी आधुनिकतम बढ़ी सभ्यताएं विकसित हुईं, जिन पर हम गर्व कर सकते हैं। सिंधु घाटी और सारस्वत (सरस्वती) सभ्यताएं इसके उदाहरण हैं। भारत के सांस्कृतिक उन्नयन के नायकों में भागीरथी, राम और कृश्ण का नदियों से गहरा संबंध रहा है। भारतीय वांगमय में इंद्र और कुबेर विपुल जलराशि के प्राचीनतम वैज्ञानिक-प्रबंधक रहे हैं। भारत भूखण्ड में आग, हवा और पानी को सर्वसुलभ नियामत माना गया है। हवा और पानी की शुद्धता और सहज उपलब्धता नदियों से है। दुनिया के महासागरों, हिमखण्ड़ों, नदियों और बड़े जलाशयों में अकूत जल भण्डार हैं। लेकिन मानव के लिए उपयोग जीवनदायी जल और बढ़ती आबादी के लिए जल की उपलब्धता का बिगड़ता अनुपात चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है। ऐसे में भी बढ़ते तापमान के कारण हिमखण्डों के पिघलने और अवर्शा के चलते जल स्त्रोतों के सूखने का सिलसिला जारी है। वर्तमान में जल की खपत कृशि, उद्योग, विद्युत और पेयजल के रूप में सर्वाधिक हो रही है। हालांकि पेयजल की खपत मात्र आठ फीसदी है। जिसका मुख्य स्त्रोत नदियां और भू-जल हैं। औद्योगिकिकरण, शहरीकरण और बढ़ती आबादी के दबाव के चलते एक ओर नदियां सिकुड़ रही हैं, वहीं औद्योगिक कचरा और मल मूत्र बहाने का सिलसिला जारी रहने से गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां इतनी प्रदूशित हो गईं हैं कि यमुना नदी को तो एक पर्यावरण संस्था ने मरी हुई नदी तक घोशित कर दिया है। प्रस्तावित करीब 120 अरब डालर अनुमानित खर्च की नदी जोड़ों परियोजना को दो हिस्सों में बांटकर अमल में लाया जाएगा। एक प्रायद्वीप स्थित नदियों को जोड़ना और दूसरे, हिमालय से निकली नदियों को जोड़ना। प्रायद्वीप भाग में 16 नदियां हैं, जिन्हें दक्शिण जल क्शेत्र बनाकर जोड़ा जाना है। इसमें महानदी, गोदावरी, पेन्नार, कृश्णा, पार, तापी, नर्मदा, दमनगंगा, पिंजाल और कावेरी को जोड़ा जाएगा। पशिचम के तटीय हिस्से में बहने वाली नदियों को पूर्व की ओर मोड़ा जाएगा। इस तट से जुड़ी तापी नदी के दक्शिण भाग को मुंबई के उत्तरी भाग की नदियों से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। केरल और कर्नाटक की पशिचम की ओर बहने वाली नदियों की जलधारा पूर्व दिशा में मोड़ी जाएगी। यमुना और दक्शिण की सहायक नदियों को भी आपस में जोड़ा जाना इस परियोजना का हिस्सा है। हिमालय क्शेत्र की नदियों के अतिरिक्त जल को संग्रह करने की दृश्टि से भारत और नेपाल में गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों पर विशाल जलाशय बनाने के प्रावधान हैं। ताकि वर्शाजल इकट्ठा हो और उत्तर-प्रदेश, बिहार एवं असम को भंयकर बाढ़ का सामना करने से छुटकारा मिले। इन जलाशयों से बिजली भी उत्पादित की जाएगी। इसी क्शेत्र में कोसी, घांघरा, मेच, गंड़क, साबरमती, शारदा, फरक्का, सुन्दरवन, स्वर्णरेखा और दमोदर नदियों को गंगा, यमुना और महानदी से जोड़ा जाएगा।

> केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरूआत के बाद अब उपरोक्त नदियों को जोड़े जाने की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में रख दी है। इसके प्रतीकस्वरूप तीनों नदियों के पानी को एक घड़े में भरा गया। तत्पश्चात भारत सरकार और राजस्थान एवं मध्यप्रदेश राज्य सरकारों के बीच एक त्रिपक्शीय समझौतों पर हस्ताक्शर किए गए। 72000 करोड़ रुपए इस परियोजना पर खर्च होंगे। इसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी।

दृष्टि कोण

संसद की कार्य उत्पादकता का लगातार कम होना संसदीय प्रणाली को विफल कराने की साजिश है

संसद का शीतकालीन सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष द्वारा एक दूसरे को अपनी अपनी ताकत दिखाने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। अडाणी मुद्दे को लेकर हंगामे के साथ शुरू हुआ संसद का सत्र अम्बेडकर मुद्दे पर हंगामे के साथ खत्म हुआ। सत्र के दौरान संविधान पर चर्चा जरूर हुई लेकिन संसदीय व्यवधान का नया रिकॉर्ड भी बना दिया गया। 20 दिनों के इस सत्र के रिपोर्ट कार्ड की बात करें तो आपको बता दें कि लोकसभा में कामकाज की उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। लोकसभा इन 20 दिनों में चार विधेयक ही पारित कर पाई। राज्यसभा में तो 40.03 प्रतिशत ही कामकाज हो सका और पूरे सत्र में कुल दो विधेयक पारित हुए। बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। क्या ऐसे ही चलेगा हमारा संसदीय लोकतंत्र? क्या इसीलिए छह महीने पहले देश की 140 करोड़ जनता ने 543 प्रतिनिधियों को निर्वाचित करके भेजा था? हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन संसद का महत्वपूर्ण समय और देश का कीमती धन बर्बाद कर रहे हैं? संसद के सत्र के दौरान भले सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने अपने राजनीतिक हित सध गये हों लेकिन देश की जनता का और संसद की छवि को तो नुकसान हो गया है। आखिर कैसे होगी इसकी भरपाई? बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। क्या ऐसे ही चलेगा हमारा संसदीय लोकतंत्र? क्या इसीलिए छह महीने पहले देश की 140 करोड़ जनता ने 543 प्रतिनिधियों को निर्वाचित करके भेजा था? हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन संसद का महत्वपूर्ण समय और देश का कीमती धन बर्बाद कर रहे हैं? संसद के सत्र के दौरान भले सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने अपने राजनीतिक हित सध गये हों लेकिन देश की जनता का और संसद की छवि को तो नुकसान हो गया है। आखिर कैसे होगी इसकी भरपाई? देखा जाये तो वर्तमान संसद का पहला सत्र भी हंगामेदार रहा था। इससे पिछली लोकसभा के भी लगभग सभी सत्र हंगामेदार रहे थे। पिछले कुछ सत्रों की कार्य उत्पादकता पर गौर करें तो जो आंकड़े सामने आते हैं वह चिंताजनक स्थिति को दर्शाते हैं। सत्र की कार्य उत्पादकता का 45%, 35 प्रतिशत और 24 प्रतिशत के आसपास रहने से हमारी संसदीय प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हो रहे हैं। सदन में जो कामकाज होता है वो भी हंगामे के बीच होता है यानि शोरशराबे के बीच क्या नए कानून बन गए यह देश को पता ही नहीं चल पाता। साथ ही संसद के कामकाज का प्रतिशत लगातार कम होते जाने से एक सवाल और खड़ा होता है कि कौन हैं वो लोग जो हमारी संसद को विफल दर्शाना चाहते हैं? कहीं हमारी संसदीय प्रणाली को विफल कराने के लिए कोई साजिश तो नहीं की जा रही है? विपक्ष लोकतंत्र बचाओ और संविधान बचाओ का आह्वान तो कर रहा है लेकिन लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश भारत में जनता के जनादेश पर निर्णय लेने वाला जो सर्वोच्च सदन है उसको चलने नहीं देता। देखा जाये तो अब बात सिर्फ संसद के कीमती समय, देश की उम्मीदों और सरकारी खजाने से धन की बर्बादी की ही नहीं है, बात अब यह भी है कि यदि संसद में भी जनता की आवाज नहीं सुनी जायेगी तो कहां सुनी जायेगी? वक्त आ गया है कि संसद में सदन के संचालन संबंधी नियमों को कठोर बनाया जाये? वक्त आ गया है कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें? बहरहाल, पिछले वर्ष संसदीय व्यवधान पर 'पीड़ा' व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 'लोकतंत्र के मंदिर' में ऐसे आचरण के विरुद्ध माहौल और जनमत तैयार करने के लिए जनांदोलन चलाने का जो आह्वान किया था।

कुछ अलग

नशे के खिलाफ कदम

देश में नासूर बनते नशे के खिलाफ अभियान में यदि 114 वर्षीय धावक फौजा सिंह प्रेरक पदयात्रा कर सकते हैं तो ऊर्जावान युवा-बुजुर्ग क्यों नहीं। 'नशा मुक्त-रंगला पंजाब' अभियान के अंतर्गत निकाले गए नशा विरोधी मार्च में मंगलवार को मैराथन धावक फौजा सिंह के साथ ही पंजाब के राज्यपाल अस्सी वर्षीय गुलाब चंद कटारिया की आठ किलोमीटर की पैदल यात्रा सुर्खियों में रही। निश्चित रूप से पंजाब सरकार की पहल अनुकरणीय है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी बड़ा सामाजिक बदलाव का आंदोलन व्यापक जन भागीदारी से ही सिरे चढ़ सकता है। आज पंजाब समेत देश के अन्य राज्यों में युवा पीढ़ी जिस भयावह तरीके से नशे के दलदल में धंसती जा रही है, वह राष्ट्र के लिये एक गंभीर चुनौती है। जिसका मुकाबला सरकारों के साथ आम आदमी के जुड़ाव से ही संभव है। निश्चित रूप से ऐसी पदयात्रा सिर्फ राजनीतिक निहितार्थों और प्रतीकात्मक रूप से आयोजित नहीं होनी चाहिए। ऐसे अभियान को आंदोलन का रूप देकर इस तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना चाहिए। साथ ही इस तरह के अभियानों से हासिल उपलब्धियों का मूल्यांकन भी जरूरी है। निस्संदेह, औपचारिकताओं के निर्वहन और मीडिया में सुर्खियां बटोरना ऐसे आंदोलन का लक्ष्य तो कदापि नहीं हो सकता। राज्यपाल महोदय का यह कथन सोलह आने सच है कि इस मुद्दे पर बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही महिलाओं की इस आंदोलन में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। निस्संदेह, नशे के नश्तर से महिलाओं को मर्मांतक पीड़ा सहन करनी पड़ती है। अब चाहे पति हो या बेटा, नशे की लत लगने से पूरा परिवार ही संकट में आ जाता है। इसमें दो राय नहीं कि जब पंजाब की नारी शक्ति एकजुट होकर इस मुहिम का नेतृत्व करेगी तो पंजाब अपने स्वर्णिम दिनों की ओर लौट सकता है। निश्चित रूप से किसी राज्य या देश की जवानी का नशे के सैलाब में डूबना राष्ट्रीय क्षति ही है। इसके लिये नशे की आपूर्ति रोकने से लेकर प्रयोग तक पर नियंत्रण की राष्ट्रव्यापी मुहिम की जरूरत है। निस्संदेह, नशे के तेजी से बढ़ते शिकंजे से न केवल असामयिक मौतों, लाइलाज बीमारियों का खतरा बढ़ता है, बल्कि समाज में अपराधों का सिलसिला भी तेज हो जाता है। देखने में आया है कि बड़े अपराधों से लेकर चोरी छीनाझपटी की घटनाओं के मूल में नशाखोरी की भूमिका होती है। कई आपराधिक घटनाओं के मूल में उन कालेज जाने वाले छात्रों की भूमिका पायी गई है, जो नशे के लिये पैसा जुटाने के लिये अपराध की अंधी गलियों में उतर जाते हैं। यह जानते हुए भी यह रास्ता उनके जीवन को बर्बादी की राह पर ले जाता है। निश्चित रूप से समाज विज्ञानियों को भी व्यापक अध्ययन करना चाहिए कि क्यों नई पीढ़ी नशे की ओर तेजी से उन्मुख हो रही है। एक समय था कि पंजाब में आतंक फैलाने के खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये सीमा पार से नशे की बड़ी खेप पंजाब भेजी जाती रही है। चरमपंथियों को आर्थिक मदद पहुंचाने के लिये भी इस षड्यंत्र को सुनियोजित तरीके पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों ने अंजाम दिया। हाल के दिनों में बीएसएफ ने पाकिस्तान की सीमा से लगते भारतीय इलाकों में ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों को गिराने की साजिशों पर लगाम लगायी है। निश्चित रूप से पहले कदम के रूप में सीमाओं को नशे की तस्करी से निरापद बनाने की जरूरत है। वहीं हमारी सुरक्षा व्यवस्था में शामिल उन काली भेड़ों को भी बेनकाब करने की जरूरत है जो नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रही हैं। साथ ही नशे से पीड़ितों को इस दलदल से बाहर निकालने के लिये नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना और पीड़ितों को मनोवैज्ञानिक उपचार देने की भी जरूरत है। निश्चित रूप से नशा पंजाब के लिये बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

देश दुनीया से

एक साथ चुनाव की आकांक्षा से परे भी देखें

मतदाता और निर्वाचित प्रतिनिधि के बीच संबंध मांग और आपूर्ति जैसा है। लोकतंत्र में जनता द्वारा चुनकर आए प्रतिनिधि वोटर की आकांक्षाओं की पूर्ति करने की दिशा में काम करते हैं। सत्तारूढ़ पार्टी जहां अपने चुनावी वादों पर अमल करने की कोशिश करती है वहीं कभी-कभी अपना वह दृष्टिकोण लागू करने को काम करती है, जो उसके हिसाब से लोगों और देश के लिए अच्छा है। 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' का संकल्प भाजपा के चुनाव घोषणापत्र का हिस्सा तो हो सकता है, लेकिन समाज के किसी भी वर्ग द्वारा इसकी मांग नहीं की गई थी, हालांकि कुछ लोगों को लगता है कि भारत 'बहुत अधिक लोकतंत्र' से ग्रस्त है। किंतु, सत्तारूढ़ पार्टी 'एक देश-एक चुनाव' की खूबियों को लेकर काफी आश्वस्त है, यह उसके नेतृत्व द्वारा बार-बार किए दावों और जिस प्रकार का मसौदा राम नाथ कोविंद समिति बनाते वक्त सौंपा गया था, उससे स्पष्ट है। इसकी सिफारिशें पहले से तय निष्कर्ष हैं, लेकिन जिस तेजी से सरकार ने इस पर काम किया, उसने कई लोगों को चौंकाया। खंडित जनादेश से टिकी एनडीए सरकार से बहुत कम लोगों को उम्मीद थी कि वह इस मामले को इतनी शिद्दत से आगे बढ़ाएगी, खासकर जब इस पर कार्यान्वयन होना दूर की कौड़ी है। एक व्यवस्था जो एक दशक बाद लागू होनी है, उस पर कानून बनाने की सरकार की जल्दबाजी वाली 'दूरदर्शिता' दिलचस्प है। साल 2024 के आम चुनाव से पहले महिला आरक्षण विधेयक (नारीशक्ति वंदन अधिनियम) पारित करने में इसी किस्म की तत्परता दिखाई थी। फर्क यह कि महिलाओं वाला विधेयक पारित करने में सभी पक्ष एकमत थे, वहीं 'एक देश-एक चुनाव' संबंधी 129वें संविधान संशोधक विधेयक की वांछनीयता पर मतभेद हैं। सरकार को विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को भेजने में आपत्ति नहीं हुई क्योंकि उसे पता था इससे विपक्ष संतुष्ट होगा और उसकी अपनी खुली सोच झलकेगी। जल्दबाजी में विधेयक पारित करना उद्देश्य नहीं हो सकता, इसे पटल पर लाना और आम सहमति की संभावना खोलना मंतव्य है ताकि लगे कि वे 'बड़े' चुनावी सुधार पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। लेकिन क्या ऐसा है? संविधान में इस आशय का स्पष्ट प्रावधान हुए बिना, 1951 के बाद से, 15 वर्षों तक देशभर में चुनाव एक साथ होते रहे। लेकिन सत्ता राजनीति के उतार-चढ़ाव और गतिशीलता के कारण यह श्रृंखला टूट गई। किसी सरकार के पक्ष में या खिलाफ वोट का हक लोकतंत्र का अनिवार्य तत्व है। बेशक यह विधेयक सत्तारूढ़ पार्टी को दिया समर्थन वापस लेने का हक नहीं छीनता, लेकिन मतदाताओं को ऐसी सरकार चुनने का 'हक' देता है, जो बीच कार्यकाल सदन में बहुमत खोने के बावजूद बाकी अवधि के लिए राज करती रहे। इस प्रकार, एक निवर्तमान निर्वाचित शासन सीमित अवधि के लिए आगामी निर्वाचित विकल्प हेतु मार्ग प्रशस्त करेगा। इस तरह, सब चुनाव एक साथ करने के शौक में मतदाता पांच साल में एक बार खेलने को ऐसी टीम (सरकार) चुनेंगे जिसके मुख्य खिलाड़ी (सरकार) चोटिल होने (बहुमत खोने) के बावजूद वह एक्सट्रा या नाइटवॉचमैन के रूप में शासन करती रहे। इस प्रकार, उपचुनाव में किसी संसद या विधानसभा सदस्य को चुनने के लिए जो प्रणाली अब लागू है, तब वह मध्यावधि चुनाव की स्थिति बनने पर पूरे सदन के लिए लागू हो जाएगी। सांसद इस पर विचार कर सकते हैं कि क्या लोगों के अधिकारों को ऐसे तोड़ना-मरोड़ना लोकतंत्र का चरित्र हनन नहीं? यह द्वैत बनाने से क्या हासिल होगा? क्या एक साथ चुनाव इतना पवित्र उद्देश्य है या फिर लोकतांत्रिक विकल्प प्रदान करने वाले मौलिक सिद्धांत को प्रबंधकीय दक्षता बनाने के अधीन बना दिया जाए? कानून निर्माताओं की समझ की परीक्षा हो रही है। आखिरकार, संविधान निर्माताओं ने एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान नहीं किया और किसी आपातकालीन स्थिति की अनिवार्यताओं से निबटने के लिए, संवैधानिक ढांचे के भीतर रहते हुए, इस पर निर्णय का काम भारत के चुनाव आयोग पर छोड़ दिया। कोई भी व्यक्ति एक लघु, त्वरित, एकल पूर्वानुमानित प्रक्रिया – खासकर जब इसमें एक अरब लोग शामिल हों – के लाभों पर किंतु-परंतु नहीं कर सकता। चुनाव कराना नियमित लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, लेकिन यह यूपीएससी परीक्षा की तरह नहीं, जो एक तय कार्यक्रमानुसार, साल में एक बार सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। प्रशासनिक दक्षता वांछनीय है और ऐसे तरीके हो सकते हैं जिनसे चुनाव संचालन कम वक्त खपाऊ और कम मानव संसाधन इस्तेमाल करने वाला बन सके। अर्धसैनिक बलों पर अत्यधिक निर्भरता, जिनकी उपलब्धता का वास्ता देकर चुनाव आयोग लंबी अवधि चलने वाला बहु-चरणीय चुनाव करवाना मजबूरी गिनाता आया है, हमारी राजनीति की अस्थिर प्रकृति के कारण है। मौजूदा कानून चुनाव आयोग को किसी भी सदन का कार्यकाल समाप्त होने से छह माह पहले चुनाव कराने का अधिकार देता है, जिससे उसे कुशल प्रबंधन के लिए कुछ चुनाव एक साथ कराने में कुछ लचीलापन मिल जाता है। हालांकि, हालिया उदाहरण हैं कि चुनाव आयोग ने उन चुनावों को भी अलग-अलग करवाने का विकल्प चुना, जिन्हें आसानी से एक साथ करवा सकता था। स्पष्टतया, एक साथ चुनाव लागू करवाने पर दिखाई जाने वाली जल्दबाजी के पीछे सिद्धांत कम और मनमानी ज्यादा है। यह तथाकथित सुधार संसद में पारित हो या न हो, अब समय है कि सरकार और राजनीतिक दल पैसा, अपराध, जाति, समुदाय, चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी, उम्मीदवारों की अयोग्यता और चुनाव खर्च सीमा तय करने जैसे मुद्दों संबंधी ठोस चुनावी सुधारों को आगे बढ़ाएं, जिनका सुझाव चुनाव आयोग ने भी दिया है और लंबित हैं। एक साथ चुनाव करवाने का उद्देश्य चुनावों पर सरकारी खर्च कम करना बताया जा रहा है, लेकिन चुनावों में काले धन का इस्तेमाल रोकने और राजनीतिक फंडिंग के पारदर्शी तरीके खोजने के बारे में क्या? नया विधेयक तथाकथित सुधारों के जरिये इन पर ध्यान केंद्रित करने को नहीं कह रहा। सनद रहे, आदर्श आचार संहिता केवल एक निश्चित श्रेणी के सार्वजनिक व्यय पर रोक लगाती है, ताकि सत्तारूढ़ दल को सरकारी संसाधन खर्च कर अनुचित लाभ न मिले। हैरानी यह कि सत्तारूढ़ दल प्रमुख नीतिगत निर्णय लेने को चुनावों से ऐन पहले तक इंतजार क्यों करते रहते हैं और फिर उन्हें 'शासन में बाधा डालने वाला' कहते हैं। इससे आगे, किसी भी राज्य में चुनाव के मुद्दे उस सूबे के मतदाताओं और राजनीतिक नेताओं से संबंधित होते हैं, इनका असर न दूसरे राज्यों के मतदाता पर होता है और न केंद्र सरकार पर, जब तक कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व खुद प्रचार करने में न लग जाए और स्थानीय नेतृत्व को राज्य-स्तरीय मुहिम का प्रबंधन करने से वंचित कर दे।

आप का नजरीया

असंसदीय कृत्य

जब देश की नई संसद में सदन की कार्रवाई शुरू हुई, तो विश्वास था कि देश में संसदीय मर्यादाओं को नई गरिमा मिलेगी। लेकिन हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र के दौरान हुए हंगामे ने देश के आम जनमानस को गहरे तक निराश ही किया। सड़क पर सांसदों की धक्का-मुक्की और आरोप-प्रत्यारोपों ने उन मतदाताओं को ठेस पहुंचायी, जिन्होंने उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में चुना था। आरोप-प्रत्यारोप तो सांसदों की पुरानी परंपरा रही है, लेकिन इस बार तो बात धक्का-मुक्की से लेकर थाने तक जा पहुंची। ऐसे में सवाल किया जा सकता है कि जब हमारे माननीयों का व्यवहार ऐसा होगा तो आम आदमी से क्या उम्मीद की जा सकती है। दरअसल, महाराष्ट्र चुनाव में करारी शिकस्त से पस्त विपक्ष सरकार पर हमले के लिये मुद्दे की तलाश में था। उन्हें मुद्दा खुद गृहमंत्री अमित शाह ने दे दिया। संविधान के रचयिताओं में अग्रणी डॉ. बी.आर. अंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी के बाद एनडीए और इंडिया गठबंधन के सांसदों के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला कालांतर टकराव में बदल गया। निश्चय ही राजनेताओं के व्यवहार से देश-विदेश में कोई अच्छा संदेश नहीं गया। जिन सांसदों के हाथ में कानून की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी है, वे हाथ ही धक्का-मुक्की में लिप्त होने लगे। जो जनप्रतिनिधियों की कथनी-करनी के अंतर को ही दर्शाता है। सही मायनों में यह मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने उन्हें चुनकर संसद में भेजा है। निस्संदेह, जब अमित शाह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का नाम जपना एक फैशन बन गया तो ऐसा करके उन्होंने अपना कद कदापि नहीं बढ़ाया। इस तरह उन्होंने संविधान के जनक को एक अनावश्यक विवाद में घसीट लिया। महाराष्ट्र चुनाव में पराजय के बाद खस्ता हाल में आये विपक्ष को इस विवाद ने राजग पर एकजुट हो हमलावर होने का अवसर दे दिया है। विपक्ष ने भी मुद्दे को तुरंत लपक लिया। लेकिन इस तरह के विवाद को असंसदीय ही कहा जाएगा। कालांतर में स्थिति यहां तक पहुंच गई कि शाह की बयानबाजी के बचाव में खुद प्रधानमंत्री को उतरना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक स्वार्थ के लिये दुर्भावनापूर्ण झूठ का सहारा लेने का आरोप भी लगाया। निस्संदेह, डॉ. बी.आर. अंबेडकर एक ऐसे राष्ट्रीय प्रतीक हैं, जिनकी गरिमा को कोई भी राजनीतिक पार्टी नजरअंदाज नहीं कर सकती। यह स्पष्ट ही है कि राजनीतिक लाभ के लिए दोनों प्रमुख पार्टियां उनकी विरासत पर कब्जा करने को यह खेल खेल रही हैं। उनका अमर्यादित व्यवहार इस स्थिति को और गंभीर बना देता है। विडंबना ही है कि ये स्थितियां तब पैदा हुईं जब देश संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी समारोह आयोजित कर रहा था। दुनिया को यह बताने का प्रयास कर रहा था कि लोकतंत्र, न्याय और समानता की कसौटी पर यह जीवंत दस्तावेज खरा उतरा है। निस्संदेह, इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि संविधान के आदर्शों को बनाये रखना सभी सांसदों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उनकी प्राथमिकता सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की होनी चाहिए, न कि आरोप-प्रत्यारोप व टकराव की सीमाएं लांघने की।

पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने देश में राजनीति का नया अध्याय लिखा : मोहन लाल बड़ौली

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में हुआ काव्यांजलि कार्यक्रम

गुरुग्राम (हिंस)। पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में रविवार को अटल काव्यांजलि का आयोजन हुआ। पार्टी कार्यालय गुरुकमल में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम शुरू करने से पहले प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, जिला अध्यक्ष कमल यादव व भाजपा नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित कर अटल जी को याद किया। इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने दो मिनट का मौन रखा और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी व पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला की आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। कार्यक्रम में आए कवियों ने अटल जी की स्मृति में कविताओं का पाठ कर खूब तालियां बटोरी। प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी

वाजपेयी ने देश में राजनीति का एक नया अध्याय लिखा। कांग्रेस पार्टी ने झूठा प्रचार किया हुआ था कि देश में कांग्रेस के अलावा कोई दूसरी पार्टी सरकार नहीं चला सकती। उन्होंने कहा कि वाजपेयी जी ने कांग्रेस के भ्रम को तोडने् का काम किया। अटल जी जैसा व्यक्तित्व विरले ही जन्म लेते हैं। भारत का संसदीय इतिहास सदैव उनका गुणगान करेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत की आत्मा को जगाने का काम किया है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना भी अटल जी की ही देन थी। उस समय किसी ने कल्पना भी नहीं की थी, जब अटल जी ने किसानों को क्रेडिट कार्ड देकर लाभान्वित किया। पार्टी कार्यालय पहुंचने पर जिला अध्यक्ष कमल यादव ने प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह व कवियों का स्वागत किया। विमल ग्रोवर ने कवि सम्मेलन का संचालन किया। राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. अशोक बत्रा की विशिष्ट उपस्थिति में महेश मुकदम, विमलेन्दु सागर, चांदनी केशरवानी, लोकेश चौधरी ने कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को आनंद के सागर में खूब गोते लगवाए। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, जिला अध्यक्ष कमल यादव, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, जिला प्रभारी संदीप जोशी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश जरावता, सदस्यता अभियान के सह संयोजक राजकुमार, जिला महामंत्री रामबीर भाटी, सर्वप्रिय त्यागी के अलावा अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्र भूभाग नहीं सनातन मूल्य से जुड़ा विचार और संस्कृति : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राष्ट्र कोई भूभाग भर नहीं होता है, यह संस्कृति और सनातन मूल्य से जुड़ा विचार है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम है और बाद में सब है, इस मानसिकता का प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूल में जो संस्कार मिलते हैं, उसी से भविष्य का विचार बनता है। उन्होंने देश में मैकाले द्वारा प्रारंभ शिक्षा पद्धति की चर्चा करते हुए कहा कि इसके जरिए भारतीय संस्कृति को जड़ों से उखाड़ने के निरंतर प्रयास हुए हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को कभी कोई मिटा नहीं सकता क्योंकि यह हमारे रक्त में घुला है। बागडे रविवार को एक होटल में नवोत्कर्ष विक्रम संवत 2081 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को मिटाने का निरंतर प्रयोग होता रहा, पर यह जीवंत संस्कृति है। उन्होंने प्राचीन भारतीय आविष्कारों की चर्चा करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने आजादी से पहले गजट में लिखा है कि भारत में जितने गुरुकुल हैं, उतने ब्रिटेन में भी नहीं है। उन्होंने प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत, दशमलव के प्रयोग आदि की चर्चा करते हुए कहा कि वैदिक काल से हमने उन सिद्धांतों को स्थापित कर दिया जो बाद में पश्चिम ने अपने नाम किए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का गौरवमय इतिहास शिक्षा पद्धति से ही पता चलता है। भारतीयता के विचार से ही देश में नई शिक्षा नीति बनाकर लागू की गई है। इसे सभी प्रभावी रूप में क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि जिस देश के लोग अपने इतिहास को भूल जाते हैं, उनका भूगोल भी कम होता जाता है। इसलिए सनातन भारतीय मूल्यों के लिए सभी मिलकर कार्य करें। भारत को विकसित राष्ट्र बनाएं। इस अवसर पर पूर्व सांसद रामचरण बोहरा ने आभार जताया। राज्यपाल ने आरंभ में नवोत्कर्ष फाउंडेशन द्वारा प्राचीन भारत के गौरवमय शासकों, सनातन संस्कृति से जुड़ी चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

वेतन न मिलने पर भड़के मिड-डे मील वर्कर, जताया रोष

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद जिले में स्कूलों में मिड-डे मील और पार्ट टाइम चौकीदार कर्मचारियों ने सरकार के प्रति रोष जताया। सही कर्मचारी मानदेय बढ़ाने और पक्का करने की मांग की पिछले लंबे समय से मांग कर रह हैं। शिक्षा विभाग चतुर्थ श्रेणी एजुकेट चौकीदार एवं पार्ट टाइम कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रधान तेजराम ने कहा की कुछ दिन पहले ही शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा से मुलाकात हुई थी उन्होंने 22 दिसंबर को मुख्यमंत्री से मिलवाने का समय दिया था। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन होने की वजह से यह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में मिड-डे मील का काम करने वाली महिला कर्मचारियों का वेतन बहुत कम है। जिसकी वजह से वो घर का गुजारा करने में असमर्थ होती जा रही है। स्कूल में अगर बच्चों

की संख्या कम हो जाती है, तो वेतन काट कर उन्हें दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह समस्या पिछले 10 साल से बनी हुई है। जिले में मिड-डे मिल की महिला कर्मचारी 8 हजार हैं। पार्ट-टाइम चौकीदार 3200 हैं। मिड-डे मिल की सभी कर्मचारी चाहते हैं कि कम से कम सरकार न्यूनतम वेतन की मांग को पूरा कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मिड-डे मील महिला कर्मचारियों का वेतन 7000 है। उसे भी 4 से 5 महीने बाद दी जाती है। ऐसा ही पार्ट टाइम चौकीदारों के साथ भी किया जाता है उनका भी वेतन समय पर नहीं दिया जाता। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए कर्मचारियों के मानदेय को बढ़ाना चाहिए साथ ही जो वर्दी का पैसा नही दिया जाता उसे भी देना चाहिए ओर सभी का वेतन हर महीने आनी चाहिए।

चित्तौड़गढ़ में हाईवे पर टला जयपुर जैसा हादसा

टायर फटने के बाद केबिन से टकराया गैस टैंकर

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। जिले में उदयपुर सिक्सलेन पर जयपुर जैसा गैस हादसा टल गया। भदेसर थाना इलाके में हाईवे पर चलते समय गैस टैंकर का टायर फट गया। इससे गैस टैंकर असंतुलित होकर चालक केबिन से जा टकराया। गनीमत रहा कि गैस टैंकर नीचे नहीं पलटा। ना ही इसमें किसी प्रकार का छेद हुआ। इससे सभी ने राहत की सांस ली। बाद में निकट स्थित होटल का स्टॉफ मौके पर पहुंचा। फिलहाल टैंकर अभी भी मौके पर ही खड़ा हुआ है। जानकारी में सामने आया कि उदयपुर-चित्तौड़गढ़ सिक्सलेन पर भदेसर थाना इलाके में सुखवाडा गांव के इलाके में बड़ा हादसा होते टल गया। गैस का टैंकर कांडला बंदरगाह से चंदेरिया जा रहा था। मार्ग में शनिवार की रात करीब दो बजे गैस टैंकर का टायर फट गया। तेज आवाज सुन कर निकट स्थित होटल का स्टॉफ सकते में आ गया। होटल संचालक अकरम अली ने बताया कि देर रात अचानक जोर से धमाका हुआ। सबसे पहले होटल का गार्ड मौके पर देखने पहुंचा। यहां देखा तो सामने आया कि गैस टैंकर का टायर फट गया। साथ ही गैस टैंकर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। टैंकर की केबिन मुड़ कर टैंक से टकरा कर श्रतिग्रस्त हो गई। होटल के स्टाफ ने चालक को बाहर निकाला। इसके बाद हाईवे पर एनएचआई पेट्रोलिंग वाहन को मौके पर बुलाया गया। साथ ही क्रेन भी मंगवाई गई। किसी तरह टैंकर को डिवाइडर से नीचे उतारा गया। चालक का नाम देवीसिंह था व जोधपुर का रहने वाला था। इसने बताया कि गैस टैंकर कांडला पोर्ट से चन्देरिया प्लांट में जा रहा था। सुबह तक टैंकर की कंपनी के दूसरे वाहन भी मौके पर पहुंचे। चालक ने बताया की कंपनी के अधिकारियों से बात की है।

बाइक सवार को बचाने की कोशिश में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा के काफिले की गाड़ी तीन बार पलटी, सात पुलिसकर्मी घायल

पाली (हिंस)। जिले के बाली में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के काफिले में शामिल पुलिस की गाड़ी बाइक सवार को बचाने की कोशिश में पलट गई। हादसे में सात पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें बाली के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। तीन पुलिसकर्मियों को ज्यादा चोटें आई है। प्राथमिक इलाज के बाद सभी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे रविवार को मंत्री ओटाराम देवासी की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त करने जा रही थीं। पाली जिले के मुंडारा गांव के लिए रवाना हुई थीं। रोहट और पाली के पणिहारी चौराहे पर भाजपा पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया था। यहां से मुंडारा के लिए रवाना हुई थीं। इस दौरान बाली और कोट बालियान के बीच एस्कॉर्ट करते हुए चल रही पुलिस की बोलेरो बाइक सवार को बचाने के चक्कर में पलट गई। हादसे में सात पुलिसकर्मियों को चोटें आई है। हादसा बाली थाने से 500 मीटर पहले हुआ है। पुलिस की गाड़ी तीन पलटी खाते हुए दुकान के आगे पिलर से टकराकर रुक गई। हादसे में एसआई भागचंद पुत्र भंवरलाल, कांस्टैबल अभिषेक पुरी (25) पुत्र किशन सिंह, नवीन (35) पुत्र मुकुंद राम, जितेंद्र (28) पुत्र डूंगाराम, राम प्रसाद (30) पुत्र पूरणमल, सूरज (36) पुत्र रामसहाय और ड्राइवर रूपाराम (30) पुत्र रामनिवास घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों को बाली अस्पताल ले जाया गया है, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मौके पर बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत, सांसद पीपी चौधरी, कलेक्टर लक्ष्मीनारायण मंत्री, एसपी चूनाराम जाट मौजूद हैं। डिप्टी एसपी राजेश यादव ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को एस्कॉर्ट कर रही एक गाड़ी के सामने एक अज्ञात बाइक सवार ने अचानक टर्न ले लिया। इस दौरान एस्कॉर्ट कर रही गाड़ी पलट गई और उसमें बैठे पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालांकि गंभीर चोटें नहीं आई है। एहतियात के तौर पर घायलों को सुमेरपुर ले जाया गया है, जहां सीटी स्कैन संबंधित सभी आवश्यक जांचें की जा रही है। भाजपा नेता रमेश परिहार ने बताया कि बोलेरो के पीछे उनकी गाड़ी थी। वे तुरंत नीचे उतरे और घायल पुलिसकर्मियों को हॉस्पिटल पहुंचाने में मदद की। बोलेरो में सात पुलिसकर्मी बैठे थे। इनमें से तीन पुलिसकर्मियों को ज्यादा चोटें आई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने शक्तिपीठ तनोट माता के किए दर्शन

जैसलमेर (हिंस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को जैसलमेर में शक्तिपीठ तनोट माता के दर्शन किए एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां तनोटराय से देश में खुशहाली की मंगल कामना की। उन्होंने तनोट परिसर में ऑडियो विजुअल और हथियार प्रदर्शनी का अवलोकन किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 55वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में शामिल होने जैसलमेर आई थी। अपनी तीन दिवसीय जैसलमेर यात्रा के बाद रविवार दोपहर को वे इंडिगो की फ्लाइट से दिल्ली लौट गई। क्षेत्रीय मुख्यालय जैसलमेर (उत्तर) के उप महानिरीक्षक योगेंद्र सिंह राठौड़ ने उन्हें इस प्रदर्शनी के बारे में उन्हें जानकारी दी। इससे पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने तनोट माता मंदिर परिसर में स्थित विजय स्तम्भ पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां पर सीमा सुरक्षा बल की विशेष गार्ड ने वित्त मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विषम परिस्थियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे सीमा सुरक्षा बल के बहादुर जवानों से बातचीत की व उनकी हौसला अफजाई की। मंदिर परिसर में पहुंचने पर एमएल गर्ग (महानिरीक्षक) सीमांत मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल राजस्थान, योगेन्द्र सिंह राठौड़ (उप महानिरीक्षक) क्षेत्रीय मुख्यालय जैसलमेर (उत्तर), सुरेंद्र कुमार (समादेष्टा) क्षेत्रीय मुख्यालय जैसलमेर (उत्तर) और 166 वी वाहिनी के (समादेष्टा) वीरेंद्र पाल सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया एवं तनोट माता की तस्वीर स्मृति स्वरुप भेंट की।

जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन में विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर की गई चर्चा

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के कौआकोल प्रखंड के दुर्गामंडप परिसर में रविवार को जनता दल यूनाइटेड का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता जदयू के प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुमार कुशवाहा ने किया। बैठक में जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से आगामी विधानसभा चुनाव की सफलता को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा किया गया। जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने जदयू कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती, मुख्यमंत्री द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को अवगत कराने, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने सहित अन्य मुद्दों पर कार्यकर्ताओं को टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं के बल पर नवादा जिला के पांचों विधानसभा सीट पर एनडीए का विजय पताका लहराएगा। जिसके लिए अभी से ही कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर कार्य करने की जरूरत है। मौके पर सतीश कुशवाहा, मनोहर पासवान, शेष कुमार शशि, जयशंकर चंद्रवंशी, शिवबालक प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष सह पैक्स अध्यक्ष रामाश्रय सिंह, ईश्वरी प्रसाद, रामचन्द्र शर्मा आदि मौजूद थे। जिला अध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने फीता काटकर जदयू कार्यालय का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए चुनाव लड़ेगी। एक-एक का कार्यकर्ता गांव -गांव तक उनके विकास कार्यों को पहुंचाएं। ताकि 2025 में भी एनडीए की सरकार बिहार में स्थापित हो सके।

संगठन मजबूत कर गाय, गंगा व हिंदू की रक्षा करना प्रत्येक हिंदू का धर्म : महेश प्रजापति

फतेहपुर (हिंस)। जिले में रविवार को विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा शौर्य सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन को मजबूत कर गाय, गंगा तथा हिंदू रक्षा पर बल दिया गया और कहा गया कि संगठन में युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने का काम करना है। कस्बे के लंका रोड स्थित एक कॉलेज में रविवार को विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा शौर्य सभा का आयोजन किया गया। शौर्य सभा में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद बजरंग दल के विभाग जिला संयोजक महेश प्रजापति ने संगठन मजबूती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गाय, गंगा और हिंदू धर्म की रक्षा करना प्रत्येक हिंदू का धर्म है। युवाओं को संगठन में जोड़कर इस कड़ी में विशेष कार्य करना है। संगठन द्वारा आने वाले समय में जो भी कार्य दिए जाएं उनको मिलकर करना होगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 06 दिसंबर 1992 को जो ढांचा ढहाया गया था उसी के संस्मरण के लिए जगह-जगह इस प्रकार की शौर्य सभाएं हो रही हैं। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष राजेश सिंह, जिला धर्म प्रचार प्रसार प्रमुख नर्मदा सागर शुक्ला, विश्व हिंदू परिषद के नगर मंत्री अरविंद हिंदू, नगर संयोजक बजरंग दल विमलेश बाजपेई, बजरंग दल के नगर सहसंयोजक सजल शर्मा, जयंत चोपड़ा, विश्व हिंदू परिषद के जिला धर्म प्रचार प्रमुख एसडी अवस्थी, मातृ शक्ति की पूर्व विभाग संयोजिका संगीता तिवारी, हर्षित द्विवेदी, आदर्श चौहान, दीनू सविता, बिनु पांडे, विष्णु गोस्वामी, कृष्णा, राम प्रकाश, राकेश पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

मोहाली में रातभर चला रेस्क्यू ऑपरेशन, 2 शव निकाले, 3 अभी भी लापता

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मोहाली में शनिवार शाम गिरी मल्टीस्टोरी बिल्डिंग के मलबे से रविवार सुबह दो शव बरामद किए गए। एनडीआरएफ व सेना की टीमें लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। पुलिस ने ढही इमारत के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को दिए बयान में जिम ट्रेनर ने बताया कि बिल्डिंग के तीन फ्लोर में जिम थे, बाकी 2 में लोग किराए पर रहते थे। एनडीआरएफ और सेना के जवान रातभर मोर्चे पर डटे रहे और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। देर रात बचाव दल ने एक लड़की को मलबे से निकाला। उसे घायल अवस्था मे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान दृष्टि वर्मा (20) के रूप में हुई है। वह हिमाचल प्रदेश में ठियोग के रहने वाले दिवंगत भगत वर्मा की पुत्री थी। उसे सोहाना अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बचाव दल ने रविवार सुबह एक युवक का शव बाहर निकाला।

मदनपुरा में बंद मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे विहिप कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

पुलिस ने ताला खोलवाने के लिए मांगा समय, बोले कार्यकर्ता, मंदिर में हो आरती और पूजापाठ

वाराणसी (हिंस)। नगर के संवेदनशील मदनपुरा इलाके में मिले बंद प्राचीन शिवमंदिर में रविवार को जलाभिषेक के लिए जा रहे विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को पुलिस अफसरों ने रोक लिया। प्राचीन सिद्धेश्वर महादेव के जलाभिषेक के लिए जिद कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस अफसरों ने समझा—बुझा कर शांत किया। इसके पहले मंदिर में पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत विहिप कार्यकर्ता इंगलिशिया लाइन स्थित कार्यालय पर जुटे। कार्यकर्ता नारेबाजी कर पैदल ही जलाभिषेक के लिए आगे बढ़े तो कुछ दूर आगे मलदहिया चौराहे के निकट एडीएम सिटी आलोक कुमार और पुलिस अफसरों ने उन्हें रोक लिया। विहिप महानगर अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने कहा कि हम लोग 12 नदियों के जल से मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। अफसरों ने कहा कि मंदिर की विधिक जांच हो रही है। वर्ष 1932 का बैनामा है। छानबीन में थोड़ा वक्त लग रहा है, लेकिन एक सप्ताह में जांच पूरी कर ली जाएगी। जांच पूरी होते ही विभिन्न संगठनों से वार्ता कर जो उचित है, वह किया जाएगा। ऐसे में उम्मीद है कि कुछ दिनों में कार्यकर्ताओं को मंदिर में जलाभिषेक-पूजा की अनुमति दी जा सकती है। बताते चले नगर निगम

के दस्तावेज में 1931 में राजा महेंद्र रंजन राय और राधिका रंजन राय ने डी 31/65 मकान के बड़े हिस्से को तत्कालीन हाजी ताज मोहम्मद को बेच दिया था। तत्कालीन दाखिल खारिज में बेची गई सम्पत्ति में मंदिर का कोई जिक्र नहीं है। सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा मंदिर का पौराणिक दस्तावेजों को जुटा रहे है। उनका कहना है कि नगर निगम के 1927 से 1935 तक के दस्तावेज और रजिस्टर में कहीं भी मंदिर के बेचे जाने का जिक्र नही है। नगर निगम से मिले दस्तावेज में अप्रैल 1932 तक इस मकान का नंबर 33/273/274 हुआ करता था। ऐसे में मंदिर सार्वजनिक सम्पत्ति है। उनका दावा है कि मदनपुरा गोल चबूतरा के पास स्थित ताले में बंद मंदिर काशी खंड में वर्णित सिद्धेश्वर महादेव का मंदिर है। स्कन्द पुराण के काशी खंड में केदारेश्वर से उत्तर और पुष्प दंतेश्वर से दक्षिण करीब 18 तीर्थ और पौराणिक महत्व के मंदिर हैं। जिस स्थान का उल्लेख स्कन्द पुराण में है ये मदनपुरा में ही आता है।

गुरु गोविंद सिंह के दोनों शहीद बेटे साहसिकता के लिए थे प्रसिद्ध : सतीश द्विवेदी

बस्ती (हिंस)। रविवार को भाजपा कार्यालय में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों, साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान एवं सिख धर्म की महान परंपरा पर प्रकाश डाला गया। संगोष्ठी में प्रभु प्रीत सिंह, सरदार प्रदीप सिंह, रविन्द्र सिंह जल्लू, हर्षदीप सिंह, कुलदीप सिंह ने साहिबजादों की शहादत और खालसा पंथ के योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी ने सिख धर्म की स्थापना, गुरु परंपरा, और सिख धर्म के महान सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए साहिबजादों की वीरता और बलिदान की मार्मिक कथा साझा की। उन्होंने बताया कि गुरु गोविंद सिंह के दोनों पुत्र, जोरावर सिंह और फतेह सिंह, अपनी साहसिकता और धार्मिक निष्ठा के लिए प्रसिद्ध थे। इन दोनों ने अपने पिता के साथ कई

युद्धों में हिस्सा लिया और अद्वितीय बहादुरी का परिचय दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवेकानंद मिश्र ने की। अपने संबोधन में उन्होंने साहिबजादों के बलिदान से प्रेरणा लेते हुए समाज में सद्भाव, एकता, और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर सतीश द्विवेदी ने सिख समुदाय के लोगो को सम्मानित किया तथा युवाओं को देश की रक्षा और सम्मान के लिए सदा तत्पर रहने का संकल्प दिलाया। संचालन कार्यक्रम संयोजक अमृत कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, यशकान्त सिंह, राजेश पाल चौधरी, अंकुर वर्मा, भानु प्रकाश मिश्र, गजेंद्र सिंह, सरदार बलजीत सिंह, हरि सिंह, दलजीत सिंह, गुरु चरन सिंह, गुमनाम सिंह, सत्यपाल सिंह, दिलीप पांडेय, राजकुमार शुक्ल, अमरजीत सिंह, रौनित सिंह, शैकी सिंह, अमन सिंह, सरदार त्रिलोचन सिंह सहित भाजपा के जिला पदाधिकारी, मण्डल पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस साल आईपीओ बाजार में 90 कंपनियों ने रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ जुटाए

मुंबई

आर्थिक वृद्धि की रफ्तार और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के साथ, 2024 में आईपीओ के बाजार में भारी चल रही है। इस साल कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से भारी राशि जुटाई है। इस वृद्धि में निवेशकों का भरोसा और नियामकीय ढांचे में सुधार का महत्वपूर्ण योगदान है। साल के दौरान कंपनियों ने आईपीओ के जरिये रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एक्सचेंज के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 90 आईपीओ आए जिनके जरिये सामूहिक रूप से 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। माना जा रहा है कि अगला साल भी आईपीओ के लिए काफी अच्छा रहेगा। आईपीओ के लिए असाधारण रहा यह साल न केवल निर्गम लाने वाली कंपनियों के भरोसे को दर्शाता है, बल्कि इससे निवेशकों के विश्वास का भी पता चलता है। आईपीओ ने न केवल निगमों के भरोसे को बल्कि निवेशकों के विश्वास को भी प्रमाणित किया है। निवेशकों ने सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं बल्कि दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया है। हुंदै मोटर इंडिया का ऐतिहासिक 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ हुआ है। छोटी, मझोली और बड़ी कंपनियों ने साझेदारी जुटाते हुए धन जुटाया है। निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के साथ आईपीओ के बाजार में आने वाले साल में भी तेजी की संभावना है। साल के तैयारी में हैं कंपनियां, जो आईपीओ के माध्यम से और अधिक धन जुटाने की सोच रही हैं। जब बाजार विश्लेषकों का यह मानना है कि 2025 में आईपीओ से जुटने वाली राशि अब कि आंकड़ों को पार कर सकती है, तो निवेशकों की उम्मीदें और भी ऊंचाई पर चढ़ गई हैं। आगामी साल में भी आईपीओ बाजार ऐसे ही गतिविधियों में आगे बढ़ते रहने की संभावना है।

निवेशकों ने दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया

न्यूज़ ब्रीफ

गरीबों की मदद के लिए चावल पर जीएसटी घटायाः निर्मला सीतारमण, चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा

जैसलमेर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद बड़े फैसले किए। उन्होंने घोषित किया कि चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा। इसके साथ ही, जीवन रक्षक जीन थेरेपी और एसएएम मिसाइलों के लिए उपयोग होने वाले पुर्जों पर जीएसटी छूट की अवधि भी बढ़ा दी गई है। सभी एसएएम मिसाइलों के निर्माण में उपयुक्त पुर्जों को जीएसटी से छूट दी जाएगी। उन्होंने छोटे व्यवसायों की मदद के लिए कई और कदम उठाए, जैसे 2,000 रुपये से कम के लेन-देन के लिए छूट देना। वित्त मंत्री ने महसूस किया कि ई-कॉमर्स कंपनियों और खाद्य पदार्थों की डिलीवरी सेवाओं पर जीएसटी को लेकर और चर्चा होनी चाहिए। इसके साथ ही, बैठक में और विस्तृत चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्री ने उधारकर्ताओं के लिए भी शुल्कों में कई बदलाव की घोषणा की। उन्होंने संशोधन के लिए एक अवधारणा नोट को मंजूरी दी और वस्तुओं की परिभाषा को स्पष्ट करने के उद्देश्य के साथ खुदरा बि के लिए पहले से पैक और लेबल वाली वस्तुओं की परिभाषा में संशोधन किया। इन सभी निर्णयों से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार करने का निशाना साबित किया है।

घरेलू प्रवासियों की संख्या में कमी आने का अनुमानः ईएसी-पीएम, 2023 में घरेलू प्रवासियों की संख्या 40.20 करोड़ रही

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति (ईएसी) की एक रिपोर्ट ने देश में घरेलू प्रवासियों की संख्या में 2011 से 2023 तक 12 प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में घरेलू प्रवासियों की संख्या 40.20 करोड़ रही, जो 2011 की जनगणना के अनुसार 11.78 प्रतिशत कम है। ईएसी-पीएम के खास पत्र में इस विषय पर ध्यान दिया गया है। एक पूर्व चेयरमैन ने लिखा है कि यह घटती प्रवासन दर वृद्धि की ओर एक सकारात्मक कदम है। यह बेहतर आर्थिक अवसरों के कारण हो रहा है और इससे देश को आर्थिक वृद्धि में सामर्थ्य मिलेगा। जनगणना 2011 के अनुसार केवल पांच राज्यों में ही कुल प्रवासियों का 48 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें राज्य के भीतरी प्रवासी भी शामिल हैं। प्रवासी संख्या में कमी का अनुमान देश में ला-गई अच्छी सेवाओं और शिक्षा के साथ-साथ उच्च आवृत्ति डेटा का उपयोग करने का परिणाम है। इस स्थिति में, देश को और भी अधिक उन्नति के लिए घरेलू प्रवासियों की सेवाएं सुधारने में महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है। इससे वे अपने परिवारों को सुधारित जीवन प्रदान करके देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दें।

एलआईसी के पास लावारिस पड़े 880 करोड़ रुपए, अब तक लगभग 3,72,282 बीमा पॉलिसियां ली गईं, लेकिन मैच्योरिटी पर पैसे निकलवाए नहीं

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिना दावा किए पड़ी

परिपक्वता राशि जो मिली थी, वह 880.93 करोड़ रुपये थी। इस समय तक लगभग 3,72,282 पॉलिसीधारकों ने बीमा पॉलिसियां ली थीं, लेकिन मैच्योरिटी पर पैसे निकलवाए नहीं। अगर किसी पॉलिसीधारक ने तीन साल से अधिक समय तक कोई लाभ नहीं प्राप्त किया तो वो राशि बिना दावा की गई मानी जाती है और अगर पैसा 10 साल से अधिक समय तक बिना दावा के रह जाता है, तो वह पूरी राशि सरकार के सीनियर सिटिजन वेलफेयर फंड में स्थानांतरित कर दी जाती है। लेकिन अनक्लेम्ड राशि होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। एलआईसी अपने पॉलिसीधारकों तक पहुँचने और अनक्लेम्ड राशियों का निपटारा करने के लिए जागरूकता अभियानों और डिजिटल माध्यमों का सहारा ले रही है। अगर आपके भी किसी एलआईसी पॉलिसी पर अनक्लेम्ड पैसा है, तो आपको एलआईसीकार्यालय जाकर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे।

वैश्विक रुझान, एफआईआई की गतिविधियां तय करेंगी शेयर बाजार की दिशा : विश्लेषक

रुपये-डॉलर का रुख और कच्चे तेल के दाम भी बाजार को प्रभावित करेंगे

मुंबई

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख घटनाक्रम नहीं है। ऐसे में बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। बाजार के एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें तो घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, कुछ वैश्विक संकेतक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसमें अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल, डॉलर इंडेक्स का प्रदर्शन, बेरोजगारी दावे और नए घरों की बिक्री के आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला चल रहा है। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाल बने हुए हैं। ऐसे में निवेशकों द्वारा सतर्क रुख अपनाए जाने की उम्मीद है। हालिया कमजोरी के रुख के बावजूद बाजार का दृष्टिकोण सतर्क रूप से आशावादी बना हुआ है। हालांकि, एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफआईआई का रुख अचानक से लिवाल से बिकवाल का हो गया, जिससे बाजार प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों ने कहा कि रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का रहेगा। बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह और वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन पर रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय बाजार में कमजोरी बने रहने की संभावना है। उतार-चढ़ाव के बीच बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन आ रहा है और वैश्विक बाजारों में दो-तीन दिन अवकाश रहेगा। ऐसे में स्थानीय बाजार में भी गतिविधियां सुस्त रहेंगी।

केंद्र सरकार और एडीबी ने नीति-आधारित ऋण पर हस्ताक्षर किए, भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक महत्वपूर्ण उन्नति की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मल्टीमॉडल और एकीकृत लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम कार्यक्रम (स्माइल) के तहत ऐतिहासिक नीति-आधारित ऋण पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक महत्वपूर्ण उन्नति की उम्मीद है। सरकारी स्तर पर वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग और एशियन डेवेलपमेंट बैंक मिलकर भारत को ईफीसिएंट, रेसीलेंट और सस्टेनेबिल लॉजिस्टिक्स सिस्टम में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। मल्टीमॉडल और एकीकृत लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम कार्यक्रम एक अहम नीति-आधारित पहल है जो लॉजिस्टिक्स सुधारों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाता है। इसके अंतर्गत, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्बाध एकीकरण के लिए राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर पर क्षमताएँ विकसित की जाएगी, वेयरहाउसिंग का मानकीकरण होगा, व्यापार लॉजिस्टिक्स में सुधार किया जाएगा, और प्रदूषण को कम करते हुए दक्षता बढ़ाई जाएगी। इन सुधारों से यह आशा है कि लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी, परिचालन दक्षता में सुधार होगा, और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

देश के नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री में 21 फीसदी गिरावट की संभावना

नई दिल्ली

रियल एस्टेट की एक आंकड़ा विश्लेषक कंपनी ने जारी की एक रिपोर्ट में कहा है कि देश के प्रमुख नौ आवास बाजारों में अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के दौरान घरों की बिक्री में 21 फीसदी की गिरावट की संभावना है। इसका कारण उच्च आधार प्रभाव है, जिसके कारण लगभग 1.08 लाख इकाई रह जाएगी। कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, नवी मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, और ठाणे के लिए बिक्री आंकड़े जारी किए हैं। दिल्ली-एनसीआर में ही बिक्री में वृद्धि की संभावना है जबकि अन्य शहरों में गिरावट की संभावना है।

जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार कुल बिक्री तिमाही में 1,08,261 इकाई रह जाने की संभावना है, जो पिछले साल से कम है। हालांकि, सितंबर तिमाही में बिक्री में पांच प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। रिएल स्टेट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उच्च आधार प्रभाव के कारण बिक्री में गिरावट आई है, लेकिन त्योहारी मांग के कारण इसमें सुधार हो सकता है। वे ने दावा किया कि आपूर्ति-खपत अनुपात मजबूत और स्वस्थ है, जिससे रियल एस्टेट क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, कोलकाता, और पुणे में भी बिक्री में गिरावट की संभावना है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में बाजार इस रुझान को बदलने के लिए तैयार है और बिक्री में वृद्धि की संभावना है। यह आंकड़े रियल एस्टेट बाजार की मानें और इस क्षेत्र में संवेदनशीलता का पूरा काम करते हैं। देश विस्तार से यह गिरावट के संकेत के रूप में देखी जा सकती है, जो क्षेत्र के निर्माण और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण है।

कुल बिक्री तिमाही में 1,08,261 इकाई रह जाने की संभावना

किआ की नई एसयूवी सिरोस बाजार में पेश

नई दिल्ली

किआ मोटर्स ने अपनी नई एसयूवी सिरोस को बाजार में पेश किया है। इस मॉडल का लॉन्च ऑटो एक्सपो 2025 में किया जाएगा। किआ इस एसयूवी के जरिए अपनी दो अन्य एसयूवी मॉडल्स, सेल्टॉस और सोनेट, के बीच के ग्राहकों को आकर्षित करने की योजना बना रही है। यह एक बी सेगमेंट की एसयूवी है, जिसकी बुकिंग 3 जनवरी 2025 से शुरू होगी, और इसकी डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू हो जाएगी। सिरोस को एचटीके, एचटीके (ओ),एचटीके प्लस, एचटीके एचटीएक्स प्लस औरएचटीएक्स प्लस(ओ) के छह वैरिएंट्स में उपलब्ध कराया जाएगा, और यह 8 आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगी। डिजाइन के मामले में, किआ ने एसयूवी सिरोस को खासतौर पर स्पेशियस बनाने की कोशिश की है। इस एसयूवी की फ्रंट डिजाइन को बेहद बोल्ड और आकर्षक बनाया गया है, जिसमें वर्टिकल आइस क्यूब एलईडी हेडलाइट्स और बड़ा एलईडी डीआरएल शामिल हैं। इसके फ्रंट में शानदार लुक के साथ हाई सेट बोनट, बंपर में सिल्वर एलिमेंट्स और एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम के लिए रडार मॉड्यूल दिए

गए हैं। इसकी साइड प्रोफाइल में लंबी रूफ टेल, ब्लैक बॉडी क्लैडिंग और 17 इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। इसके अलावा, डबल पैन पैनोरमिक सनरूफ और केबिन में 30 इंच का पैनोरमिक स्क्रीन सेटअप भी उपलब्ध है, जो वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो किआ ने सिरोज में 6 स्टैंडर्ड एयरबैग्स और 360 डिग्री कैमरा सुविधा दी है। इसके अलावा, इसमें ऑटो होल्ड के साथ इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक की भी सुविधा है। इंजन के विकल्प में, किआ सिरोस में 1.5 लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 116 बीएचपी की पावर और 250 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है।

भारत में एसआईपी में अच्छी वृद्धि, बढ़ा विश्वास, जनवरी से नवंबर तक एसआईपी में शुद्ध प्रवाह 9.14 लाख करोड़ रुपए रहा

मुंबई

भारत में एसआईपी में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में शुद्ध प्रवाह 233 फीसदी (सालाना आधार) बढ़ा है। इसका मुख्य कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की लचीलापन में वृद्धि और भू-राजनीतिक परिस्थितियों में स्थिरता है। आईसीआरए एनालिटिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से नवंबर तक कुल एसआईपी में शुद्ध प्रवाह 9.14 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 233 प्रतिशत की वृद्धि है। नवंबर में रजिस्टर्ड नए एसआईपी की संख्या 49.47 लाख हो गई है, जो 2023 में 30.80 लाख थी। एसआईपी एयूएम ने नवंबर में 13.54 लाख करोड़ रुपये के अंडर मैनेजमेंट रखा, जो पिछले साल के 9.31 लाख करोड़ के मुकाबले है।

भारतीय म्यूचुअल फंड (एमएफ) इंडस्ट्री ने भी शुद्ध प्रवाह में 135 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी है। विश्वव्यापी अर्थव्यवस्था में भारत की

स्थिति के साथ, आने वाले वर्षों में उद्योग में गुना-गुना वृद्धि की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग में भी उम्मीदें हैं कि निवेशकों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। शुद्ध एयूएम में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है, जिसके साथ नवंबर में एयूएम पहुंचा 68.08 लाख करोड़ रुपये पर। इक्विटी कैटेगरी के लार्ज कैप फंड में सबसे अधिक वृद्धि हुई है, जो नवंबर में लगभग 731 प्रतिशत बढ़कर 2547.92 करोड़ रुपये हुआ है। भावनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो, भारतीय अर्थव्यवस्था का उछाल निवेशकों के बीच नया जोश और विश्वास पैदा कर रहा है। आने वाले दिनों में उद्योग में और भी बढ़ोतरी की संभावना है जिससे निवेशकों को अच्छे रिटर्न की संभावना है।

बीते सप्ताह सरसों को छोड़कर बाकी तेल-तिलहनों के भाव टूटे

सरसों तिलहन और सरसों दादरी तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे

नई दिल्ली

सर्दियों की मांग की वजह से सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल में मामूली सुधार होने के अलावा विदेशों में खाद्य तेलों की कीमतें कमजोर रहने के बीच बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बाकी सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों तिलहन और सरसों दादरी तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 6,500-6,550 रुपये प्रति क्विंटल पर पूर्ववत बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 13,525 रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा। लेकिन जाड़े की मांग की वजह से सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 5-5 रुपये के मामूली सुधार के साथ क्रमशः 2,265-2,365 रुपये और 2,265-2,390 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,175-4,225 रुपये और 3,875-

3,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 550 रुपये, 550 रुपये और 500 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 12,950 रुपये, 12,700 रुपये और 8,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट देखने को मिली। मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 5,825-6,150 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ, वहीं मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये की गिरावट के साथ 14,050 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 2,150-2,430 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में दाम टूटने की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 600 रुपये घटकर 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 600 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 650 रुपये की गिरावट के साथ 12,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 550 रुपये की गिरावट के साथ 11,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रॉयल एनफील्ड की 3 नई बाइक्स जल्द होगी लांच

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड कंपनी भारतीय बाजार में तीन नई बाइक्स को लॉन्च करने की तैयारी में है। अगर आप भी रॉयल एनफील्ड की नई बाइक खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए यह एक बेहतरीन मौका हो सकता है। पहली बाइक है रॉयल एनफील्ड क्लासिक 650, जो क्लासिक 350 की सफलता को देखते हुए लॉन्च की जाएगी। इस बाइक में 648सीसी का पैरेलल ट्विन इंजन मिलेगा, जो 47.4 बीएचपी की पावर और 52.4 एनएम का टॉर्क जेनरेट करेगा। यह बाइक शानदार परफॉर्मेंस के साथ क्लासिक डिज़ाइन में होगी और 2025 की पहली तिमाही में लॉन्च होने की उम्मीद है। दूसरी बाइक है रॉयल एनफील्ड बुलेट 650, जो रॉयल एनफील्ड की आइकॉनिक बुलेट सीरीज़ का बड़ा वर्जन होगी। इसमें 648सीसी ट्विन-सिलेंडर इंजन होगा, जो बेहतरीन राइडिंग अनुभव देगा। इसकी टेस्टिंग भारतीय सड़कों पर हो चुकी है, और इसकी लॉन्चिंग को लेकर उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। तीसरी बाइक है रॉयल एनफील्ड हिमालयन 650, जो एडवेंचर बाइक प्रेमियों के लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकती है। यह बाइक रॉयल एनफील्ड की पॉपुलर हिमालयन सीरीज़ का अपग्रेडेड वर्जन होगी और इसमें दमदार इंजन के साथ बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस और एडवेंचर टूरिंग के लिए कई आधुनिक फीचर्स होंगे। इसे 2025 के त्योहारी सीजन में लॉन्च किया जा सकता है। बता दें कि भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड की बाइक्स हमेशा से आकर्षण का केंद्र रही हैं। रॉयल एनफील्ड की क्लासिक 350 से लेकर बुलेट तक बाइक्स के शौकियों का एक अलग फैन बेस है।

मेलबर्न टेस्ट में अहम भूमिका निभाएंगे विराट : बांगड़

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि मेलबर्न में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में विराट कोहली अहम भूमिका निभाएंगे। बांगड़ ने कहा कि विराट ने अतीत में भी मेलबर्न मैदान (एमसीजी) पर काफी रन बनाये हैं।

ऐसे में वह इस बार भी अवसर का इस्तेमाल करते हुए बड़ी पारी खेलेंगे। साथ ही कहा कि विराट के पास इस अवसर का उपयोग कर लय हासिल करना रहेगा। वह एक बार फिर अपने पर कायम भरोसे को बरकरार रखेंगे। इस सीरीज में अब तक कोहली का फॉर्म मिला-जुला रहा है। पर्थ में उनके शतक ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई पर इसके अलावा वह कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

6 पारियों में 30 की औसत से केवल 126 रन बनाने वाले कोहली निरंतरता के लिए जाने जाते हैं जिसमें वह विफल रहे। अपने पर्थ शतक को छोड़कर उन्होंने 5 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं।

टेस्ट सीरीज में कोहली एक बार फिर से ऑफ-स्टंप के बाहर की गेंदों पर विकेट गंवाते दिखे हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इस कमजोरी का पूरा लाभ उठाया है। बांगड़ का मानना है कि क्रीज पर धैर्य और शांत रवैया अपनाकर कोहली इस समस्या से बच सकते हैं। बांगड़ ने कहा कि कभी-कभी आपको एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति को थोड़ा नियंत्रण में रखने की आवश्यकता होती है।

जब आप खेल के प्रति थोड़ा समर्पण करते हैं, थोड़ा समय बिताते हैं, कुछ समय के लिए बीच में आराम करते हैं, गेंदबाज के आपके पास आने का इंतजार करते हैं, और खुद गेंदबाज के पास नहीं जाते हैं, यह एक बड़े खिलाड़ी की निशानी है।

एमसीजी का मैदान पर कोहली के लिए रन लेकर आता है। इस मैदान पर वो 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। 2014 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने इसी मैदान पर 169 रन बनाए थे। मेलबर्न की पिच उछाल के लिए जानी जाती है, ऐसी परिस्थितियां अक्सर कोहली को रास आती हैं।

बांगड़ ने कहा कि कोहली को अपने फ्रंट पैड के करीब गेंदों को खेलने पर ध्यान देने की जरूरत है, एक ऐसा तरीका जो उन्हें लय और प्रवाह हासिल करने में मदद कर सकता है। जितनी संभव हो उतनी गेंदें अपने फ्रंट पैड के करीब खेलें और फिर रन बनेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

रोहित को अभ्यास सत्र में लगी चोट , टीम इंडिया की चिन्ताएं बढ़ीं

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को यहां शनिवार को हुए अभ्यास सत्र में चोट लग गयी। जिससे भारतीय खेमा चिन्तित हो गया। चौथा टेस्ट मैच 26 दिसंबर से एमसीजी में खेला जाएगा। इसके लिए अभ्यास के दौरान ही रोहित के घुटने में चोट लग गयी। भारतीय टीम के थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट दयानंद गरानी की फेंकी हुई गेंद रोहित के बांए घुटने में लगी। इससे रोहित शर्मा दर्द से परेशान दिखे। फीजियो ने तत्काल ही आईसपैक लगाया। रोहित चलने में परेशानी हो रही थी पर कुछ समय बाद ही वह ठीक नजर आये। ऐसे में उम्मीद है कि रोहित मेलबर्न टेस्ट तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। रोहित अगर किसी कारण से ये टेस्ट नहीं खेल पाते हैं तो एक बार फिर जसप्रीत बुमराह कप्तानी करते दिख सकते हैं। बुमराह ने पहले टेसट में भी कप्तानी की थी। रोहित का प्रदर्शन इस सीरीज में अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में 6.33 के औसत से केवल 19 रन बना पाये हैं। रोहित पहले टेस्ट में टीम में नहीं थे जबकि दूसरे टेस्ट की दोनो पारियों को मिलाकर वह 9 रन ही बना पाये। वहीं तीसरे टेस्ट में भी वह विफल रहे और केवल 10 रन ही बना पाये थे। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह चौथे टेस्ट में बड़ी पारी खेलेंगे।

अर्जुन की शानदार गेंदबाजी से गोवा ने विजय हजारे ट्रॉफी में ओडिशा को हराया

मुम्बई। अर्जुन तेंदुलकर की शानदार गेंदबाजी से गोवा की टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी में ओडिशा को हरा दिया। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने इस मैच में ओडिशा के खिलाफ 10 ओवर में ही 61 रन देकर 3 विकेट लिए। अर्जुन ने अपना पहला विकेट 41वें ओवर में अभिषेक राउत का लिया। अभिषेक केवल 7 रन ही बना पाये। वहीं अगले ओवर में उन्होंने कार्तिक बिस्वाली को आउट किया। कार्तिक ने 49 रन बनाये थे। अर्जुन ने राजेश मोहंती को 6 रन पर आउट कर अपना तीसरा विकेट लिया। अर्जुन के इस प्रदर्शन से गोवा ने ओडिशा को 344 रन पर ही समेट कर 27 रनों से मैच जीत लिया। इससे पहले अर्जुन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में विफल रहे थे और इसी कारण से उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। दर्शान मिसाल की कप्तानी वाली गोवा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 371 रन बनाये। गोवा की ओर से ईशान गाडेकर ने सबसे ज्यादा 93 रन बनाए। वहीं सुयश प्रभुदेसाई ने 22 गेंदों में नाबाद 74 रन बनाए।

पंजाब किंग्स को आईपीएल खिताब जिताने का प्रयास करेंगे श्रेयस अय्यर

मुम्बई। आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। इस साल 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्ग को खिताब दिलाना है। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

भारतीय टीम ने जीता महिला अंडर 19 एशिया कप 2024 का खिताब, फाइनल में बांग्लादेश को दी मात

कुआलालम्पुर (मलेशिया)

भारतीय महिला अंडर 19 टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार आयोजित महिला अंडर 19 एशिया कप 2024 का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को मलेशिया के कुआलालम्पुर में खेले गए फाइनल मैच में भारतीय टीम ने बांग्लादेश महिला अंडर 19 टीम को 41 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया।

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 117 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम सिर्फ 76 रन के स्कोर पर ढेर हो गई। इस तरह भारतीय टीम ने पहले संस्करण का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश महिला अंडर 19 टीम ने टॉस जीता और गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 117 रन बनाए। भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन सलामी बल्लेबाज गोंगाडी त्रिशा ने बनाए। उन्होंने 47 गेंदों पर 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। त्रिशा के अलावा मिथिला विनोद ने 17 रन, कप्तान निकी प्रसाद ने 12 रन, आयुषी शुक्ला ने 10 रन और जी कमालिनी ने 5 रन का योगदान दिया।

बांग्लादेश की तरफ से फरजाना इस्मिन ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए, जबकि निशिता अक्तेर निशि को दो और हबीबा इस्लाम को एक विकेट मिला।

इसके बाद 118 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश महिला अंडर 19 टीम 18.3 ओवर में 76 रनों पर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए जुएरिया फिरदौस ने 30 गेंदों पर सबसे ज्यादा 22 रन बनाए और सलामी बल्लेबाज फहोमिदा चोया ने 18 रन बनाए। इनके अलावा बाकी की कोई बल्लेबाज दोहरे अंकों तक भी नहीं पहुंच सकीं।

भारतीय टीम की ओर से स्पिनर आयुषि शुक्ला ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। सोनम यादव और परुणिका सिसोदिया ने दो-दो विकेट लिए, जबकि वीजे जोशिथा को एक विकेट मिला।

पंड्या विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबलों में खेलेंगे : मोरे

मुम्बई

बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबलों में शामिल किया जाएगा। पंड्या को त्रिपुरा के खिलाफ पहले मैच में नहीं उतारा गया था इससे कई सवाल उठ रहे थे। इसी को देखते हुए बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन की क्रिकेट इंप्रूवमेंट कमेटी के सदस्य किरण मोरे ने पंड्या के नहीं खेलने का कारण बताया। हार्दिक ने करीब 14 महीने से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 19 अक्टूबर 2023 को बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में खेला था। उस मैच में उनका टखना चोटिल हो गया था। जिसके बाद से ही वह फिटनेस के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। मोरे ने कहा, ' उन्होंने हमें बताया है कि वह नॉकआउट स्तर से खेलेंगे।' वहीं बीसीसीआई चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने पहले ही खिलाड़ियों को साफ कर दिया था कि जो भी खिलाड़ी टीम से बाहर हैं और फिट हैं उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। इसी कारण हार्दिक हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा की ओर से खेलने के लिए उतरे थे। उसमें पंड्या ने 7 मैचों में 246 रन बनाने के साथ साथ 6 विकेट भी लिए थे।

धवन, कार्तिक और अश्विन सहित 9 भारतीय खिलाड़ियों ने इस साल सभी प्रारुपों से संन्यास लिया

मुम्बई। इस साल भारतीय टीम के करीब एक दर्जन खिलाड़ियों ने संन्यास लिया। इसमें शिखर धवन और दिनेश कार्तिक से लेकर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविन्द्र जडेजा और अंत में आर अश्विन हैं। धवन, कार्तिक और अश्विन सहित 9 खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास लिया है। वहीं रोहित , विराट और जडेजा ने टी20 प्रारुप को अलविदा कहा है ये एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप खेलते रहेंगे। इसके अलावा इस सूची में वह खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम मैच खेलने को मिले हैं।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए क्रिस्टल पैलेस और आर्सेनल के खिलाड़ी।

अश्विन के सामने नहीं टिक पाने से शर्मिंदा महसूस नहीं करता : एबेल

लंदन

इंग्लैंड की काउंटी टीम समरसेट के क्रिकेटर टॉम एबेल ने भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनकी गेंद पर आउट होने में शर्म की कोई बात नहीं होती। एबेल ने कहा कि अश्विन महानतम गेंदबाज है। और उनका सामना करना बेहद कठिन होता है। इस क्रिकेटर ने काउंटी क्रिकेट में खेले गए एक मुकाबले को याद किया है। साल 2019 में समरसेट और नॉटिंघमशायर के बीच एक मैच उनका सामना अश्विन से हुआ था। काउंटी में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह अश्विन की गेंदों के सामने टिक नहीं पाए।

अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एबेल ने अश्विन के साथ अपने उस मुकाबले को याद किया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें अश्विन से मुकाबले में अपना विकेट खोने में कोई शर्म नहीं है। एबेल ने कहा कि मैंने टीवी पर अश्विन को भारतीय टीम के लिए गेंदबाजी करते हुए देखा है। वह अब तक खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक है। वह महान ऑफ-स्पिन गेंदबाज है। उनके सामने कोई भी बल्लेबाज अपने को परख सकता है। मुझे अश्विन जैसी गुणवत्ता वाले खिलाड़ी के खिलाफ खेलने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात रही है। इसलिए आउट होने का कोई मलाल नहीं है।

अश्विन ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, जिससे रेड-बॉल क्रिकेट में एक शानदार करियर की शुरुआत हुई। उन्होंने 106 टेस्ट मैचों में शानदार 537 विकेट लिए। वह 37 बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं जबकि उन्होंने 3,503 रन भी बनाये हैं। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 टेस्ट खेले, जिसमें 2.71 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट से 115 विकेट लिए।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पीसीबी की मुश्किलें बढ़ीं, न्यूजीलैंड ने सुरक्षा हालातों पर सवाल उठाये

लाहौर

अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने जहां सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को पाक भेजने से इंकार कर दिया था। वहीं अब न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भी पाक में सुरक्षा हालातों पर सवाल उठाये हैं। कीवी बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि वह अपने सुरक्षा विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर ही टीम भेजने पर फैसला करेगा। पीसीबी 1996 के विश्व कप के बाद पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला है। अब इस प्रकार के हालातों से उसकी मेजबानी खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अन्य टीमें भी हालातों पर सवाल उठा सकती हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अभी पाक में सुरक्षा का जायजा लेने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजा है। ये प्रतिनिधिमण्डल घरेलू टीम और दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली

त्रिकोणीय सीरीज से पहले सुरक्षा व्यवस्था की जांच करेगा। इस टीम में सुरक्षा विशेषज्ञ रेग डिकासन और न्यूजीलैंड प्लेयर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि ब्रैड रॉडेन शामिल हैं। वे कराची और लाहौर में सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा आईसीसी का एक और प्रतिनिधिमंडल भी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा करने के लिए पाकिस्तान में है। आईसीसी ने कहा है कि 2024-27 चक्र में भारत और पाकिस्तान सभी आईसीसी इवेंट्स में हाइब्रिड मॉडल में खेलेंग। भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक नहीं जाएगी। वहीं पाक भी 2025 में महिला एकदिवसीय विश्व वर्ल्ड कप और 2026 में टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगा

ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर होने से हताश हैं मैकस्वीनी

गाबा। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी बॉर्डर गावस्कर सीरीज के अंतिम दो मैचों के लिए टीम में जगह हासिल नहीं कर पाने से बेहद निराश हैं। मैकस्वीनी ने कहा है कि वह बेहद दुखी है पर अपना हौंसला बनाये रखते हुए दोबारा मेहनत कर टीम में जगह बनाएंगे। मैकस्वीनी सीरीज में मिले तीन टेस्ट मैचों में अवसरों का लाभ नहीं उठा पाने के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अंतिम दो मैचों के लिए जगह नहीं देते हुए युवा सैम कोंटास को अवसर दिया है। मैकस्वीनी ने माना है कि टीम से बाहर होने से वह टूट चुके हैं। मैकस्वीनी ने कहा कि, हां मैं टूट गया हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा सपना सच हुआ पर उस तरह से नहीं, जैसे मैं चाहता था। खेल में ऐसा होता है। मैं कड़ी मेहनत करके अगले अवसरों के लिए अपने को तैयार करूंगा। मैकस्वीनी ने पर्थ में भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया पर पिछली 6 पारियों में वह एक बार फिर 39 रनों से ज्यादा नहीं बना पाये। उन्हें सीरीज में चार बार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आउट किया। ऐसे में देखा जाये तो उनके टीम से बाहर जाने में बुमराह का सबसे बड़ा हाथ रहा है। मैकस्वीनी ने कहा कि, क्रिकेट में ऐसा ही है। अवसर मिलने पर अच्छा नहीं खेलने से जगह हाथ से निकल जाती है।

ब्यूटी टिप्स

3 महीने पहले शुरू करें शादी में खूबसूरत दिखने की तैयारी

दुल्हन, उसकी बहन व सहेलियों को शादी के दिन खूबसूरत नजर आने के लिए जरूरी है कि वो अपनी प्लानिंग तीन महीने पहले से ही शुरू कर दें। तभी उसका निखार शादी वाले दिन नजर आ सकता है।

चाहे दुल्हन हो, दूल्हे-दुल्हन की बहन या सहेली हो, शादी के दिन हर कोई अपने आप में सबसे खूबसूरत नजर आना चाहता है, खासतौर पर दुल्हन। यह दिन सबसे खास होता है, इसलिए जरूरी है कि वो अपने सुंदर दिखने की तैयारी पहले से शुरू कर दें। तभी उसका निखार शादी वाले दिन नजर आ पाता है। इस बारे में ब्यूटी एक्सपर्ट मेघा का कहना है कि शादी का दिन दुल्हन के लिए काफी खास होता है, तो उन्हें खूबसूरत नजर आने के लिए 3 महीने पहले से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए ताकि दुल्हन की त्वचा में आंतरिक निखार आ सके। इसके अलावा दुल्हन को 3 महीने पहले से प्री ब्राइडल पैकेज लेना चाहिए। दुल्हन की बहन, सहेलियां और अन्य घर वाले 1 महीने पहले से ब्यूटी पैकेज ले सकते हैं। इसके अलावा कुछ अन्य बातों का भी ध्यान रखना आवश्यक है-

डिटॉक्स डाइट प्लान करें

दुल्हन, उसकी बहन या सखी को खूबसूरत नजर आने के लिए डिटॉक्स डाइट भी बहुत जरूरी है। यह आपकी खूबसूरती में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए शादी के एक महीने पहले से डिटॉक्सीफाई डाइट की शुरुआत करें। इसके लिए नारियल पानी, हरे पत्ते वाला सलाद, खीरा और टमाटर आदि का सलाद, फलों का सलाद, सूप और ज्यादा पानी पिएं। ब्रोकली, टमाटर, प्याज, लहसुन, संतरा, अदरक, नींबू, मौसमी, ग्रीन टी, गाजर, फूलगोभी और चुकंदर, आदि का प्रयोग करें। जोकि शरीर को डिटॉक्स करने का सबसे अच्छा तरीका है।

त्वचा को हाइड्रेट रखें

खूबसूरत त्वचा के लिए त्वचा को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि पानी खूब पिएं। दिनभर में 4 से 5 लीटर तक पानी पिएं और लिक्विड डाइट लें।

रिच डाइट

शादी के दिन खूबसूरत नजर आने के लिए ब्यूटी डाइट लें। जिसे हम सुपर फूड भी कहते हैं, जैसे कि अखरोट, विटामिन सी से भरपूर स्ट्राबेरी, बींस, दही, मशरूम और पिस्ता आदि लें।

प्री ब्राइडल पैकेज लें

दुल्हन को शादी के 3 महीने पहले से ही प्री ब्राइडल पैकेज लेना शुरू कर देना चाहिए, जिसमें शुरुआत में आपके त्वचा की जरूरत को देखते हुए आपको क्लीजिंग व कुछ दिनों के अंतराल में फेशियल्स दिए जाएंगे। फेशियल के अलावा आपको हेयर स्पा, मैनीक्योर-पेडिक्योर दिया जाएगा। शादी के पहले की आखिरी सिटिंग में फेशियल और हेयर स्पा, मैनीक्योर-पेडिक्योर के अलावा आईब्रो, फुल बॉडी वैक्सिंग, बॉडी पॉलिशिंग, आईब्रोज मेकिंग और मेकअप किया जाता है। प्री ब्राइडल पैकेज में आपका पूरा लुक, बॉडीकेयर और मेकअप दोनों शामिल होता है। बाकी दुल्हन की सहेलियां व बहनें एक महीने पहले ब्यूटी पैकेज लें।

टैनिंग से बचें

आज के समय में कड़कती धूप में टैन होना आम बात हो गई है। इसलिए शादी के 3 महीने पहले से ही त्वचा की खास देखभाल करना आवश्य है। अगर आपने प्री-ब्राइडल पैकेज ले रखा है तो आपको सिटिंग्स में टैनिंग पैक भी दिए जाएंगे, साथ ही गाइडेस भी। अगर आपने प्री-ब्राइडल पैकेज नहीं ले रखा है, तो टैनिंग फैशियल जरूर लें और घर से बाहर निकलते समय मुंह पर कपड़ा बांधकर निकलें। त्वचा की नियमित देखभाल जरूर करें। चेहरे को दिन भर में 3-4 बार जरूर धोएं।

स्किन ब्लीचिंग के साइड इफेक्ट

आजकल कम वक्त में गोरा रंग, इंस्टेंट ग्लो व कोमल त्वचा प्रदान करने वाले ब्यूटी प्रसाधनों ने महिलाओं को अपने उत्पादों से कुछ इस तरह जकड़ लिया है जिससे उनका निकल पाना नामुमकिन सा लगता है।

ब्यूटी प्रसाधनों के जाल में वो इस तरह फंस चुकी हैं कि वो विज्ञापन में दिखाई गई महिला की तरह झटपट सुंदर दिखना चाहती हैं, पर क्या कभी आपने इन दावों की सच्चाई को टटोलना चाहा है? अगर नहीं, तो चलिए हम आपको बताते हैं कि ब्लीच युक्त प्रोडक्ट का असर किस तरह से त्वचा के लिए नुकसानदायक है। ब्लीच युक्त प्रोडक्ट्स का असर त्वचा के बदरंग होने या धब्बे व निशान पडने़ तक सीमित नहीं है बल्कि यह हमारे किडनी, फेफड़ों के साथ हृदय पर भी जबरदस्त कुठाराघात करते हैं। यहां यह समझ लेना बेहतर होगा कि ऐसा प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स के कारण है। आइये जानते हैं ब्लीच के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में-

एलर्जी

ब्लीच चेहरे की हो या शरीर की, फायदे के साथ नुकसान एक से हैं। ब्लीचिंग से त्वचा में दर्द, उसका छिल जाना, लाल रंग के चकते व सूजन जैसी समस्याएं आमतौर पर रिएक्शन के रूप में देखने को मिलती है। सिलिकॉन रसायन का इस्तेमाल क्रीम को मुलायम बनाने के लिए किया जाता है। इससे अकसर एलर्जी हो जाती है। पड़ता है किडनी पर भी असर ब्लीच में मरकरी नामक तत्व होता है जिससे जहर फैलता है और यह धीरे-धीरे शरीर की कोशिकाओं पर जमकर लिवर या किडनी पर बुरा असर डालता है।

आंखों में लालिमा

दरअसल ब्लीचिंग में अपनी एक अलग सी महक होती है, जिसको दूर करने के लिए खुशबू का इस्तेमाल किया जाता है। आपने कभी ध्यान दिया हो तो ब्लीचिंग का प्रयोग करते समय धुंआ सा निकलता है, जो आंखों के पास पहुंचते ही जलन पैदा करता है। नतीजा, आंखों में सूजन और लालिमा आ जाती है।

बदरंग त्वचा

हाइड्रोक्विनोन नामक तत्व एक अच्छा ब्लीचिंग एजेंट माना जाता है और इसका नियमित और अधिक मात्रा में इस्तेमाल त्वचा को बदरंग कर सकता है। त्वचा पर समय से पहले आता है बुढ़ापा त्वचा को गोरा व चमकदार बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रोडक्ट्स में ग्लायकोलिक एसिड, रेटिनॉल और बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड होते हैं। ये त्वचा की प्राकृतिक रूप से अल्ट्रा वॉयलेट किरणों से लडने़ की क्षमता पर असर डालते हैं और त्वचा जल्दी बुढ़ाने लगती है और चेहरे पर समय से पहले ही झुर्रियां आनी शुरू हो जाती हैं।

रूखी व पतली त्वचा

त्वचा को टोन बनाने वाले उत्पादों के अधिक इस्तेमाल के चलते इसमें मौजूद ट्रेटिनॉएन से त्वचा पर लाल निशान पड़ जाते हैं। साथ ही त्वचा पतली व रूखी हो जाती है। ब्लीचिंग के बाद अकसर त्वचा लाल हो जाती है। ब्लीच में मौजूद केमिकल त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। ब्लीचिंग से चेहरे पर बाल तेजी से बढ़ने लगते हैं।

अमरूद खाने से आपके शरीर में क्या होते हैं फायदे

अमरूद आपकी हेल्थ के लिए बेहद गुणकारी है. यही वजह है कि इसे सुपर फूड की कैटगरी में रखा गया है. इसमें विटामिन ष्ट, लाइकोपीन, मैग्नीज, पोटैशयिम, विटामिन, मिनरल और फाइबर पाए जाते हैं. अपनी इन खूबियों के चलते आयुर्वेद में अमरूद को खास स्थान दिया गया है. यही नहीं इसकी खुश्बू और स्वाद दोनों लाजवाब हैं. अगर अब तक आप अमरूद को महज एक फल समझकर इग्नोर करते आए हैं तो अब इन खूबियों के बारे में जान लें और इस वंडर फूड को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं।

डायबिटीज की रोकथाम : अमरूद डायबिटीज के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद है. यह शुगर लेवल को कंट्रोल करता है और लो ग्लिसमिक इंडेक्स शुगर लेवल को अचानक बढ़ने से रोकता है. डायबिटीज के रोगियों को रोज अमरूद खाने की सलाह दी जाती है. यही नहीं अमरूद की पत्तियों की चाय पीने से से डायबिटीज का खतरा कम हो जाता है.

वजन कम करने में मददगार : अमरूद में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और खनिज पाए जाते हैं. अमरूद में मौजूद फाइबर कॉलेस्ट्रोल लेवल को कम करने में बहुत मददगार हैं. यही नहीं अंगूर, संतरे और सेब की तुलना में इसमें शुगर की मात्रा बहुत कम होती है. यही वजह है कि आप बेहिचक इसे खा सकते हैं.

सर्दी-जुकाम में फायदेमंद: अमरूद में भरपूर मात्रा में विटामिन ष्ट पाया जाता है, जो शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने में काफी फायदेमंद है. अमरूद पर नमक और काली मिर्च लगाकर खाने से कफ दूर होता है. वहीं, पके अमरूद के बीजों को खाने के बाद पानी पीने से जुकाम से राहत मिलती है.

दांतों की परेशानियों से छुटकारा: अगर आपके दांत में दर्द है तो धीरे-धीरे अमरूद की पततियां चबाएं. अमरूद के पत्तों को हल्के गर्म पानी में उबालकर कुल्ला करने से मसूढ़ों की सूजन और दर्द से छुटकारा मिलता है. दांतों में फैले प्लाक से निजात पाने के लिए अमरूद की पत्तियां चबानी चाहिए. मुंह की बदबू दूर करने के लिए अमरूद की पत्तियों को पीसकर उससे पेस्ट करना चाहिए.

हेल्थ टिप्स

जवां रहने के लिए तो अपनाएं ये फ्रूट एंड वेजीटेबल डाइट

बढ़ती उम्र का असर आपके चेहरे पर आसानी से दिख जाता है। अगर आप चालीस या पचास की उम्र की हैं और आपने अपनी दिनचर्या सही नहीं रखी तो उम्र का असर और भी जल्दी दिखने लगेगा। और अगर आप डायबिटिक हैं तो यकीनन आपको खानपान में ज्यादा एहतियात बरतने की जरूरत है। एक तो बढ़ती उम्र और ऊपर से डायबिटीज की समस्या। ऐसे में अगर आपने ठीक तरह से देखभाल नहीं की तो ये सारी समस्याएं आपके चेहरे पर नजर आने लगेंगी। सच तो यह है कि व्यस्त दिनचर्या, काम को लेकर तनाव, रिश्तों में कड़वाहट आदि ने समय से पहले आपके चेहरे पर उम्र की लकीरों को दिखाना शुरू कर दिया है और अगर आपको डाइबिटीज की समस्या है तो फिर ये उस पर नीम चढ़े का काम करता है। आइये आपको बताते हैं खानपान से जुड़ी कुछ ऐसी चीज़ें जिसे आप खाकर रह सकते हैं जवां जवां और फिट भी।

कौन से फल रहेंगे आपके लिए सही

स्ट्रॉबेरी से त्वचा रहेगी जवां: स्ट्रॉबेरी को अपने डाइट में शामिल करें। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो आपकी त्वचा के लिए अच्छा माना जाता है। इसका स्वाद भी अच्छा होता है। आप चाहें तो स्ट्रॉबेरी को मैश करके इसमें शहद, एवोकैडो या दही मिलाकर त्वचा पर भी लगा सकती हैं। त्वचा की खूबसूरती बढ़ेगी और रंगत में भी निखार आएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि स्ट्रॉबेरी में मैलिक एसिड होता है, जो व्हाइटनिंग एजेंट के रूप में जाना जाता है।

कीवी है रामबाण: विटामिन सी से भरपूर कीवी की खूबियों के बारे में जितना कहें, कम है। कीवी को खाएं या त्वचा पर लगाएं, यह स्वस्थ, चमकदार और खूबसूरत त्वचा पाने में मदद करता है। यह पेक्टिन और फाइबर का बेहतरीन स्रोत भी है, जो पाचन तंत्र को मजबूत करता है। झुर्रियों के साथ ही ब्लेमिशेज से भी बचाव करता है।

बेहतर है अनार: एनिमिया से बचाव करना हो या आप हों डायबिटिक, तो अनार एक ऐसा फल है जो बेहतरीन है। अनार के दानों में इतने गुण हैं जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए इसे बेहतरीन फल बनाते हैं। यह भी आपके चेहरे पर आने वाले उम्र के असर को कम करता है।

आंवला है औषधि: आंवला विटामिन ए का बेहतरीन स्रोत होता है। यह विटामिन कोलैजन के निर्माण के लिए आवश्यक होता है, जो त्वचा को जवां बनाने के साथ ही लचीला भी बनाता है। यदि खाली पेट आंवले का सेवन किया जाए तो यह कोलैजन के कम होने की प्रक्रिया को धीमा करता है और अधिक कोलैजन बनाने के लिए शरीर की मदद करता है।

इन वेजीटेबल्स को भी करें ट्राई

जिस तरह फ्रूट्स एंटीएजिंग के लिए जरूरी है उसी तरह वेजीटेबल्स भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। कुछ वेजीटेबल्स को अपने डाइट में जरूर शामिल करें, कौन-कौन से हैं ये वेजीटेब्ल्स, आइए देखते हैं-

पालक है बेस्ट: कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन और विटामिन से भरपूर हरा भरा पालक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसका सेवन डाइबिटिक्स के लिए भी अच्छा होता है। साथ ही ये आपको जवां रखने में मददगार है।

ब्रोकली है सुपर्ब: ब्रोकली फाइबर और विटामिन-सी का सबसे अच्छा स्रोत है। यह एक ऐसी सब्जी है जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है, साथ ही यह वेट कंट्रोल रखने में मददगार है और ये आपकी बढ़ती उम्र के साइड इफेक्ट्स को भी कम करता है।

टमाटर करें शामिल: अपने आहार में टमाटर को जरूर शामिल करें। इसमें मौजूद लाइकोपीन व करॉटिनाइड में सूर्य की पराबैगनी किरणों से होने वाले नुकसान से लडने़ की शक्ति होती है। इससे सनबर्न का असर नहीं होता।

सर्दियों में जाएं थीम टूरिज्म डेस्टिनेशंस

आजकल थीम टूरिज्म प्रचलन में है। इसमें किसी एक विषय को लेकर सारे स्पॉट घुमाए जाते हैं ताकि आपकी समझ गहरी हो और आप अपनी पसंद के अनुसार भरपूर मज़ा ले सकें। टूर पैकेज लेने से अपनी सुरक्षा के विषय में आप आश्वस्त रहते हैं और यह आपको सस्ता भी पड़ता है।

छुट्टियों की कल्पना करते ही ख्वाब पलकों में तैरने लगते हैं। यदि आप भारत भ्रमण सर्दियों में करना चाहें तो थीम टूरिज्म या पैकेज टूरिज्म से बेहतर और कुछ नहीं। घूमने जाने का प्रोग्राम यदि आप दोस्तों, रिश्तेदारों के साथ निकट सम्बन्धियों के साथ मनाएं तो आप बोर नहीं होंगे, विविधता रहेगी और भोजन की आवश्यकताएं भी पूरी हो जाएगी।

तो तैयारी कीजिए इन सर्दियों में थीम टूरिज्म की -

बीच डेस्टिनेशन

गहरे नीले समुद्र की अठखेलियां और खुला आकाश यदि आपकी पसंद है तो सैर कीजिए अंडमान निकोबार, लक्षद्वीप या दमन दीव की।

अंडमान निकोबार द्वीप समूह

अंडमान निकोबार द्वीप समूह टूरिज्म के लिए विख्यात है। प्रकृति के साये में रहकर यदि आप रोमांस के साथ समुद्री जंतुओं के क्रिया-कलाप देखना चाहे तो अंडमान निकोबार बेहतरीन है।

क्या देखें

किंक द्वीप, हैवलौक द्वीप, रॉस द्वीप, वाइपर द्वीप और रेड स्किन द्वीप। अंडमान के प्रसिद्ध बीच हैं- राधानगर बीच, हरमिन्दर बे बीच, रामनगर बीच, सेल्युलर जेल बाराबाग, बैरन आइलैण्ड माउण्टहेरियट, हैवलौक आइलैण्ड। समुद्र के तट पर घूमें या वाटर स्पॉट का मजा लें। समुद्री जीवों को निहारें अथवा सनसेट देखें, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म भी कर सकते हैं।

कैसे जाएं

बोट से या एयर से। चेन्नई कोलकत्ता और विशाखापट्टनम से रेग्यूलर पैसेन्जर शिप सर्विस भी है।

लक्षद्वीप द्वीप समूह

केरल के तट से करीब 200-300 किलोमीटर दूर अरब सागर में स्थित 36 छोटे-छोटे द्वीप। केरल रीफ से आच्छादित स्वच्छ गहरे नीले पानी, बड़े लम्बे नारियल के पेड़ों से लदे इन द्वीपों में से सिर्फ कुछ पर ही बसावट है।

क्या देखें

बंगारम और कदमट द्वीप, अगाटी द्वीप। ड्राइविंग के शौकीनों का तो यह स्वर्ग है। आप लक्षद्वीप क्रूज़ भी ले सकते हैं। इसके अलावा स्पीड बोटिंग, सेलिंग, केनोइंग कयाकिंग और येचिंग वहां के प्रमुख एडवेंचर हैं। स्कूबा डाइविंग भी है। जून से अक्टूबर यानी यहां के मानसून में न जाएं क्योंकि इन महीनों में समुद्र अशांत रहता है।

कैसे जाएं

शिप एवं पैसेंजर प्लेन से जा सकते हैं। अगाती और बगारम द्वीप वायु सर्विस से कनैक्टेड है।

दमन और दीव

अरब सागर के तट पर बसे दमन और दीव पर्यटकों के लिए आकर्षण हैं। पुरातन और वर्तमान परंपराओं का बेजोड़ मिश्रण यह क्षेत्र अपने ऐतिहासिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है।

क्या देखें

दीव में बुदेर चौक, फोर्ट पनीकोटा, सेंट पॉल चर्च, आईएनएस खुकरी। नागोआ बीच, जालंधर बीच, घोगला बीच। दमन में पुरातन फोर्ट लाईट हाउस उद्यान, गोयिक कलाकृतियां, नानी दमन फोर्ट चर्च जमपोर बीच। रोकिग टॉवर। लोक कथाओं के से माहौल में शान्ति से कुछ दिन जीवनयापन करना चाहें तो दमन दीव से अच्छा कुछ भी नहीं।

कैसे जाएं

रेल रोड या एयर तीनों से आप दमन दीव पहुंच सकते हैं। वापी नजदीकी रेलवे स्टेशन है। रोड से आप नेशनल हाइवे द्वारा कनैक्ट हो सकते हैं। मुम्बई एयरपोर्ट से फ्लाइट भी ले सकते हैं।

रेसिपी

बीसी भेले भात

सामग्री

चना-उड़द दाल- दो-दो चम्मच, दालचीनी- दो स्टिक, नारियल पाउडर- 50 ग्राम, साबुत लाल मिर्च- पांच, धनिया-तीन चम्मच, धनिया दाना मेथी-सौंफ-दो चम्मच, हरी इलायची-पांच, गरम मसाला-मिलाजुला। पैन में दो बूंद तेल डालकर सारे सूखे मसालों को सेंक कर मिक्सी में महीन पीस लें। भात के लिए जरूरी सामग्री- तुअर की दाल- एक कप, हल्दी पाउडर- एक चम्मच, नमक-स्वादानुसार, टमाटर-दो, फूल गोभी- दस फूल, गाजर-एक, बीन्स-तीन चौथाई कप, मटर- आधा कप, चावल- दो कप, करी पत्ता- थोड़े से, इमली का गूदा- दो बड़े चम्मच।

विधि

तुअर दाल को जरा सी हल्दी के साथ प्रेशर कुकर में डालकर नर्म होने तक उबालकर अलग रख लें। सारी सब्जियों को बारीक काटकर एक पैन में दो चम्मच तेल डालकर पांच मिनट तक मंदी आंच पर फ्राई कर लें। अब पैन में भीगे हुए चावल, उबली हुई तुअर की दाल, नर्म की हुई सब्जियां, बीसी मसाला पाउडर, नमक, करी पत्ता और ईमली का गूदा और आवश्यकतानुसार पानी डालकर अच्छी तरह पकाएं।

चिकन चीजी कबाब

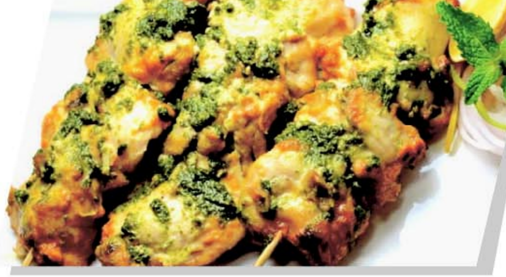

सामग्री

चिकन -1 किग्रा ,अदरक पेस्ट -1 बड़ा, चम्मचलहसुन का पेस्ट -1 बड़ा चम्मच,लाल मिर्च -2 बड़े चम्मच , नमक -1 छोटा चम्मच,दही-180 ग्राम ,भूना हुआ बेसन -2 बड़े चम्मच,प्रोसेस्ड चीज़ -45 ग्राम, जावित्री पाऊडर -1/4 छोटा चम्मच, जायफल पाऊडर -1/4 छोटा चम्मच, इलायची पाऊडर -1/2 छोटा चम्मच,तेल -2 बड़े चम्मच , मक्खन -ब्रश करने के लिए , धनिया -गार्निशिंग के लिए , चाट मसाला -गार्निशिंग के लिए, नींबू का रस -गार्निशिंग के लिए।

विधि

एक बाउल में 1 किलोग्राम चिकन, 1 बड़ा चम्मच अदरक का पेस्ट, 1 बड़ा चम्मच लहसुन का पेस्ट, 2 बड़े चम्मच लाल मिर्च, 1 छोटा चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसे 10-15 मिनट के लिए रख दें। एक बाउल में 180 ग्राम दही, 2 बड़े चम्मच भूना हुआ बेसन, 45 ग्राम प्रोसेस्ड चीज़, 1/4 छोटा चम्मच जावित्री पाऊडर, 1/4 छोटा चम्मच जायफल पाऊडर, 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाऊडर डालकर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को मसालेदार चिकन में डालकर इसमें 2 बड़े चम्मच तेल मिलाएं। अब इसे अच्छी तरह से मिक्स करें। चिकन को फिर से 1 घंटे के लिए रख दें। अब चिकन डालने के लिए जरूरत अनुसार सीख लें और उन्हें 30 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद सीख को पानी से निकालकर उनमें एक-एक करके सारे चिकन को डाल दें। ओवन को 480 डिग्री फरनेहाइट/ 250 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। अब चिकन को ग्रिलर में रखकर 10 से 15 मिनट तक ग्रिल करें। फिर ओवन से बाहर निकालकर इस पर ब्रश की सहायता से मक्खन लगाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**